RNI No. : TNHIN/2013/52520 | वर्ष - 13 | अंक - 293 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | चेन्नई » शुक्रवार » 22-05-2026 | www.dakshinbharat.com | Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बंगाल में पकड़े गए बांग्लादेशी घुसपैठियों को बीएसएफ को सौंपा जाएगा : शुभेंदु
6 नौतपा और भारतीय जीवन दर्शन
7 अकेले रहना कमजोरी नहीं, ताकत है : रिद्धि डोगरा

फर्स्ट टेक

जैन मंदिर से चोरी हुई 100 साल पुरानी मूर्ति बरामद, एक गिरफ्तार

चतरा (झारखंड)/भाषा। झारखंड के चतरा जिले में शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से लगभग 100 साल पुरानी अष्टधातु की एक बहुमूल्य मूर्ति चोरी होने के मामले को सुलझाते हुए पुलिस ने इस सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, चोरी हुई वस्तु अष्टधातु की एक मूर्ति है, जिसमें सभी 24 तीर्थंकरों की आकृतियां एक साथ बनी हुई हैं। चतरा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अनिमेश नैथानी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पुलिस ने अपने खुफिया तंत्र की मदद से चोरी के महज दो घंटे के भीतर मूर्ति को बरामद कर लिया। एसपी ने कहा, चोरी के इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

भारत के 'चंद्रयान-3' मिशन को मिला गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स पुरस्कार

वाशिंगटन/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को बृहस्पतिवार को अमेरिकी वैमानिकी और अंतरिक्षयानिकी संस्थान (एआईएए) द्वारा 'चंद्रयान-3 मिशन' के लिए 2026 के 'गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने एआईएए सम्मेलन में यह पुरस्कार प्राप्त किया। प्रशस्ति पत्र के अनुसार, इसरो को यह पुरस्कार ''चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र के निकट 'चंद्रयान-3' की ऐतिहासिक लैंडिंग के लिए दिया गया है, जिससे चंद्रमा की हमारी समझ बेहतर करने में मदद मिली है।'' क्वात्रा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि एआईएए द्वारा प्रदत्त प्रतिष्ठित 2026 गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स पुरस्कार के लिए इसरो और चंद्रयान 3 टीम को बधाई।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 1000 तीर्थयात्रियों का चयन

नई दिल्ली/भाषा। लिपुलेख और नाथू ला दर्रों के रास्ते होने वाली आगामी कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए बृहस्पतिवार को एक हजार तीर्थयात्रियों का चयन किया गया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इन तीर्थयात्रियों का चयन कंप्यूटरीकृत ड्रा के माध्यम से किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मानसरोवर यात्रा लिपुलेख और नाथू ला दर्रों के रास्ते होगी। इस महीने के आरंभ में नेपाल ने भारत और चीन द्वारा काठमांडू से परामर्श किए बिना लिपुलेख दर्रे से वार्षिक तीर्थयात्रा की तैयारियां करने पर कड़ी आपत्ति जताई थी। नेपाल का दावा है कि यह क्षेत्र उसका है।

22-05-2026	23-05-2026
सूर्यास्त 6:29 बजे	सूर्योदय 5:41 बजे

BSE	NSE
75,183.36	23,654.70
(-135.03)	(-4.30)

सोना	चांदी
16,417 रु.	273,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फैक मिडिया

सबसे घातक सोशल मिडिया,
जो बढ़ा रहा अपराध रोज।
कुछ भी कर दे अपराध कोई ,
कर नहीं पा रहे उसे खोज।
हो रहे भ्रमित पढ़ फेक न्यूज़,
कर रहे धूर्त सब गिद्ध भोज।
वैमनस्य घृणा आतंक द्वैष,
फैलाने वाले करे मौज।।

यात्रा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच देशों की यात्रा के बाद बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी लौटे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी यात्रा के दौरान ऊर्जा, रक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों संबंधी कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री ने 15 मई को जिन पांच देशों के लिए अपनी यात्रा शुरू की थी उनमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली शामिल थे।

अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में मारा गया पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/लाहौर/भाषा। पुलवामा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के काफिले पर 2019 में हुए आतंकी हमले का मुख्य साजिशकर्ता अर्जुमंद गुलजार उर्फ बुरहान हमजा बृहस्पतिवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके)

में अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में मारा गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

हमजा पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की कड़ी सुरक्षा में अपनी गतिविधियों को अंजाम देता था और उस पर मुजफ्फराबाद में घात लगाकर हमला किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि हमले में हमजा गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे हवाई मार्ग से रावलपिंडी के संयुक्त सैन्य अस्पताल (सीएमएच) ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि स्थानीय सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई से पहले ही हमलावर घटनास्थल से फरार होने में कामयाब रहे।

तेलंगाना के तुलसी रेड्डी ने माउंट एवरेस्ट फतह किया

हैदराबाद/भाषा। कई लोगों के लिए माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना सबसे बड़ा रोमांच होता है लेकिन भारतीय पर्वतारोही तुलसी रेड्डी पालपुनूरी के लिए यह दृढ़ता, अनुशासन, बदलाव और लगन की एक ऐसी यात्रा बन गई जिसने लोगों को प्रेरित किया। हैदराबाद के पास बोवरमपेट गांव के रहने वाले तुलसी ने वर्षों के अनुशासन, प्रशिक्षण और लगातार तैयारी के बाद सफलतापूर्वक माउंट एवरेस्ट की चोटी फतह की। तुलसी की कहानी को जो बात प्रेरित करने वाली बनाती है वह यह है कि इसकी शुरुआत कितने साधारण तरीके से हुई थी। कभी खाने-पीने के शौकीन रहे तुलसी बस फिट होना चाहते थे। धीरे-धीरे जिम में वर्कआउट और स्वस्थ जीवनशैली एंड्यूरेंस खेल और पर्वतारोहण के प्रति जुनून में बदल गई। समय के साथ उन्होंने कई स्थानीय दौड़, कठिन 'आयरनमैन' चुनौती और दुनिया भर में कई ऊंची चोटियों पर चढ़ाई के अभियान पूरे किए।

'समय बताएगा कि मैं कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनूंगा या नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ संभावना जताई जा रही है कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद के मुद्दे पर चल रही रस्साकशी को लेकर सौहार्दपूर्ण चर्चा और समाधान के लिए जल्द ही नई दिल्ली तलब कर सकता है।

बेंगलूरु/ चामराजनगर/ भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि समय बताएगा कि वह राज्य के मुख्यमंत्री बनेंगे या नहीं।

शिवकुमार का यह बयान इन कयासों के बीच आया है कि कांग्रेस आला कमान जल्द ही नेतृत्व परिवर्तन और राज्य मंत्रिमंडल में बहुप्रतीक्षित फेरबदल पर फैसला ले सकता है। सिद्दरामय्या नीत राज्य की कांग्रेस सरकार ने सत्ता में तीन साल पूरे कर लिए हैं।

संभावना जताई जा रही है कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद के मुद्दे पर चल रही रस्साकशी को लेकर सौहार्दपूर्ण चर्चा और समाधान के लिए जल्द ही नई दिल्ली तलब कर सकता है।

शिवकुमार ने चामराजनगर में संवाददाताओं द्वारा उनके मुख्यमंत्री बनने को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, ''समय बताएगा''।

शिवकुमार के समर्थक इस बात पर जोर दे रहे हैं कि पार्टी द्वारा 2023 के विधानसभा चुनाव

जीतने पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साथ हुए कथित सत्ता-साझेदारी समझौते के अनुरूप उन्हें राज्य सरकार की कमान सौंपी जाए।

इस बीच, बेंगलूरु में गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि अगर मामला कांग्रेस नेतृत्व के समक्ष आता है तो वह मुख्यमंत्री को बदलने को लेकर स्थिति स्पष्ट करेगा।

परमेश्वर से संवाददताओं से सवाल किया कि कांग्रेस आला कमान नेतृत्व परिवर्तन पर स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं कर रहा। इसके जवाब में उन्होंने कहा, ''बेवजह, वे ऐसा क्यों करेंगे? बदलाव का सवाल किसने उठाया है? कल खुद उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी बदलाव की मांग नहीं की है। यह सवाल कहां से आया? ऐसा सवाल किसने पूछा है?'' उन्होंने कहा, ''पार्टी में आला कमान है और वही तय करेगा कि क्या करना है और कब करना है। मीडिया में बयान देने से कुछ हासिल नहीं होगा। फैसला आला कमान को करना है। मुख्यमंत्री को बदलने या उन्हें पद पर बनाए रखने के प्रस्ताव पर चर्चा करने का क्या फायदा? हम यहां बैठकर इस मामले का फैसला नहीं करने वाले हैं।''

परमेश्वर ने कहा कि जहां तक उन्हें जानकारी है, सिद्दरामय्या को मुख्यमंत्री बनाए जाने के दौरान कोई समय सीमा तय नहीं की गई थी।

बेंगलूरु हवाई अड्डे पर उतरते समय एअर इंडिया के विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकराया

नई दिल्ली/भाषा। बेंगलूरु हवाई अड्डे पर बृहस्पतिवार सुबह उतरते समय एअर इंडिया के एक विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान को विस्तृत जांच के लिए परिचालन से बाहर कर दिया गया है। विमानन कंपनी का छोटा ए 321 विमान दिल्ली एवं बेंगलूरु के बीच उड़ान एआई 2651 रूप में उपयोग में लाया जाता है। घटना के समय विमान में 181 यात्री सवार थे।

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि उतरते समय विमान के पिछले हिस्से में टक्कर जैसा अनुभव हुआ। उन्होंने कहा कि विमान हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरा और सभी यात्री एवं चालक दल के सदस्य सामान्य ढंग से उससे उतरे।

एक सूत्र ने बताया कि हवाई अड्डे के करीब पहुंचने पर विमान में कंपन महसूस हुआ, जिसके बाद पायलट ने विमान को स्थिर करने के लिए हवा में ही चक्कर लगाने का फैसला किया। सूत्र ने बताया कि इसी दौरान विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया। सूत्रों के अनुसार, यह कंपन पास में एक विशाल विमान के उड़ान भरने के कारण महसूस हुआ।

शांति केवल सरकार का कर्तव्य नहीं, बल्कि व्यक्तिगत प्रतिबद्धता होनी चाहिए : कोविंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बृहस्पतिवार को कहा कि शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी केवल सरकारों या अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर नहीं छोड़ी जा सकती, बल्कि यह हर इंसान की एक व्यक्तिगत प्रतिबद्धता होनी चाहिए।

'बिलियनेयर्स फॉर पीस' सम्मेलन में कोविंद ने कहा कि वर्चस्व के बजाय सहयोग पर आधारित अंतरराष्ट्रीय संबंधों के एक नए दृष्टिकोण को अपनाकर शांति और समृद्धि हासिल करने में मदद मिल सकती है।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, हम गहरे वैश्विक बदलाव के दौर में जी रहे हैं। ऐसे समय में दुनिया भर के प्रत्येक शासनाध्यक्ष पर अपने लोगों का कल्याण सुनिश्चित करने की एक केंद्रीय जिम्मेदारी है... शांति की जिम्मेदारी केवल सरकारों या अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर नहीं छोड़ी जा सकती। इसे हमें प्रत्येक की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता बनाना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पहले से कहीं अधिक, मानवता अब एक समान नियति साझा करती है और जलवायु परिवर्तन, महामारी, आर्थिक अस्थिरता, प्रवासन व संघर्ष जैसी चुनौतियां राष्ट्रीय सीमाओं पर नहीं रुकतीं। कोविंद ने कहा, हमारा भविष्य एक साथ तैरने या एक साथ डूबने के लिए तय है। उन्होंने रेखांकित किया कि 21वीं सदी में मानवता तभी प्रगति कर सकती है जब सभी देश एक साथ आगे बढ़ें।

तमिलनाडु के ऊर्जा संसाधन मंत्री ने कहा

बिजली दरों में बढ़ोतरी का कोई इरादा नहीं है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के ऊर्जा संसाधन मंत्री आर निर्मल कुमार ने बृहस्पतिवार को राज्य में बिजली दरों में बढ़ोतरी की संभावना से इनकार किया। उन्होंने कहा कि सरकार या मुख्यमंत्री की फिलहाल बिजली शुल्क बढ़ाने की कोई मंशा नहीं है और इस संबंध में झूठी जानकारी फैलाई जा रही है।

मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने पदभार संभालने के पहले दिन तीन फाइलों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें 500 यूनिट तक द्विमासिक खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की योजना भी शामिल है।

मंत्री ने राज्य बिजली वितरण निगम की समीक्षा के बाद पत्रकारों को बताया कि निगम पर लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। साथ ही कर्मचारियों की भारी कमी भी है। उन्होंने कहा, ''आवश्यक 1.4 लाख कर्मचारियों के मुकाबले फिलहाल केवल 70 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं।'' उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री के वादे के अनुसार विभाग को भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और कदाचार से मुक्त रखते हुए पूरी तरह जनसेवा के लिए समर्पित किया जाएगा।''

'तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड' के दो वरिष्ठ अधिकारियों को तमिलनाडु ग्रीन एनर्जी कॉरपोरेशन लिमिटेड (टीएनजीईसीएल) की मंजूरियों में कथित अनियमितताओं के आरोप में निलंबित किया गया है।

स्वास्थ्य सेवाओं में एआई के लिए मजबूत विनियमन जरूरी : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए अपार अवसर प्रदान करती है, लेकिन इसे सुदृढ़ विनियमन, नैतिक निगरानी और समानता के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। नड्डा ने जिनेवा में 79वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में 'स्वास्थ्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता : कानून, नैतिक निगरानी, अनुसंधान और समानता' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

मंत्री नड्डा ने कहा कि भारत ने एक दशक पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2015 में डिजिटल इंडिया पहल की शुरुआत कर एक मजबूत डिजिटल नींव रखी थी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य

भारत को एक डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में बदलना है, जो देश को एआई सहित भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार करेगी। नड्डा ने कहा कि भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 ने एक एकीकृत, अंतर-संचालनीय, समावेशी और बड़े पैमाने पर काम करने वाले डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र की परिकल्पना की थी। उन्होंने बताया कि इसी नीति के परिणामस्वरूप 2021 में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन और सहमति-आधारित डिजिटल स्वास्थ्य डेटा ढांचे की शुरुआत की गई।

मंत्री नड्डा ने जोर देकर कहा कि बेहतर स्वास्थ्य परिणाम हासिल करने के लिए केवल डिजिटलीकरण और डेटा ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि एआई के सुरक्षित और जिम्मेदारी पूर्ण उपयोग के लिए क्षेत्र-विशिष्ट शासन ढांचे का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने फरवरी 2026 में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान 'भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में एआई के लिए रणनीति' (एसएएचआई) की शुरुआत पर भी बात की।

बल्लेबाजों और गेंदबाजों के ऑलराउंड प्रदर्शन से

टाइटंस ने सुपरकिंग्स को 89 रन से रौंदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। सलामी बल्लेबाजों साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी के बाद मोहम्मद सिराज और राशिद खान की धारदार गेंदबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग में बृहस्पतिवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स को 89 रन से हराकर अंक तालिका में शीर्ष दो में अपनी जगह बरकरार रखी।

इस जीत से टाइटंस के 14 मैच में 18 अंक हो गए हैं और टीम दूसरे स्थान पर है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भी 13 मैच में 18 अंक हैं लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण वह शीर्ष पर है। इस हार के साथ सुपरकिंग्स की नॉकआउट में जगह बनाने की रही सही उम्मीद भी खत्म हो गई। टीम 14 मैच में 12 अंक के साथ सातवें स्थान पर है।

टाइटंस के 230 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपरकिंग्स की टीम सिराज (26 रन पर तीन विकेट), राशिद (18 रन पर तीन

विकेट) और कागिसो रबाडा (32 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 13.4 ओवर में 140 रन पर ढेर हो गई। सुपरकिंग्स की ओर से शिवम दुबे (47 रन, 17 गेंद, चार छक्के, चार चौके) शीर्ष स्कोरर रहे। उनके अलावा सिर्फ सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट (24) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए।

टाइटंस ने सुदर्शन (84 रन, 53 गेंद, सात चौके, चार छक्के) और गिल (64 रन, 37 गेंद, सात चौके, तीन छक्के) के अर्धशतक और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 125 रन की साझेदारी से चार विकेट पर 229 रन बनाए। सुदर्शन ने जोस बटलर (नाबाद 57 रन, 27 गेंद, पांच चौके, चार छक्के) के साथ भी दूसरे विकेट के लिए 37 गेंद में 82 रन की साझेदारी की।

सुपरकिंग्स की ओर से मुकेश चौधरी (36 रन पर एक विकेट), स्पेंसर जॉनसन (47 रन पर एक विकेट) और अंशुल कंबोज (56 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट चटकाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे सुपरकिंग्स ने तीसरे ओवर में 29 रन तक ही अपने दोनों सबसे सफल बल्लेबाजों संजू सैमसन (00) और कप्तान रुतुराज गायवाड़ (16) के अलावा उर्विल पटेल (00) का विकेट भी गंवा दिया।

सिराज ने मैच की पहली ही गेंद पर सैमसन को विकेटकीपर बटलर के हाथों कैच कराया और फिर अपने अगले ओवर में गायकवाड़ को बोल्ड किया। उर्विल भी सिराज की गेंद को हवा में खेलकर डीप स्क्वायर लेग पर प्रसिद्ध कृष्णा को कैच दे बैठे।

सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट भी 14 गेंद में 24 रन बनाने के बाद कागिसो रबाडा की गेंद पर मिड ऑन पर कृष्णा के हाथों लपके गए।

सुपरकिंग्स ने पावर प्ले में चार विकेट पर 58 रन बनाए।

कार्तिक शर्मा (19) भी गिल के सटीक निशाने पर रन आउट हो गए जिससे सुपरकिंग्स का स्कोर पांच विकेट पर 63 रन हो गया।

गिल इसके बाद जेसन होल्डर की गेंद पर शिवम दुबे का मुश्किल कैच लपकने में नाकाम रहे।

दिल्ली में तीन दिवसीय परिवहन हड़ताल शुरू, कई इलाकों में यात्रियों ने परेशान होने की शिकायत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली सरकार की ओर से वाणिज्यिक वाहनों पर पर्यावरण मुआवजा उपकर लगाए जाने और सीएनजी की कीमतों में वृद्धि के विरोध में ट्रांसपोर्ट और टैक्सी संगठनों ने बृहस्पतिवार को दिल्ली-एनसीआर में तीन दिवसीय हड़ताल की शुरुआत की जिसकी वजह से कई इलाकों में यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

ट्रांसपोर्ट और टैक्सी संगठनों के मुताबिक उनकी हड़ताल 23 मई तक जारी रहेगी। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ सबसे व्यस्त स्थानों, जिनमें नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, आनंद विहार, मंडी हाउस मेट्रो और अन्य स्थान शामिल हैं, पर यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

हड़ताल के तहत संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में ट्रक खड़े रहे। एक यात्री ने बताया, ''हमने घर जाने के लिए टैक्सी बुक करने की कोशिश की, लेकिन प्रतीक्षा समय सामान्य से अधिक था, और स्टेशन पर ऑटो-रिक्शा भी बहुत कम उपलब्ध थे। टैक्सी बुक करने का शुल्क भी अधिक था।'' ट्रक चालकों, निजी बसों, टैक्सी और मैक्सी कैब संचालकों की सर्वोच्च संस्था 'ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस' (एआईएमटीसी) ने इस हड़ताल का आह्वान किया है। एआईएमटीसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीश सभरवाल ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''हम प्रदूषण कम करने के प्रयासों का समर्थन करते हैं, लेकिन पिछले 10-12 वर्षों में पर्यावरण क्षतिपूर्ति उपकर के माध्यम से लगभग 1,500 करोड़ रुपए एकत्र करने के बावजूद, सरकार ने परिवहन कल्याण, पार्किंग, सड़कों या प्रदूषण नियंत्रण उपायों के लिए इस धन का उचित उपयोग नहीं किया है।'' उन्होंने कहा कि यूरो-6 वाहनों को प्रदूषण-मुक्त बताकर बेचा गया, इसके बावजूद उन पर प्रदूषण कर लगाया जा रहा है, जो विरोधाभासी है। उन्होंने कहा कि सरकार को सारा बोझ ट्रांसपोर्टर पर नहीं डालना चाहिए व व्यावहारिक समाधान भी सुझाने चाहिए।

मोदी की पांच देशों की यात्रा से देश के हर वर्ग के हित में ठोस परिणाम हासिल हुए : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पांच देशों की यात्रा से देश के हर वर्ग के हित में ठोस परिणाम हासिल हुए हैं। साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री को गद्दार कहे जाने पर तीखा पलटवार किया।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित 'प्रेस वार्ता' को संबोधित करते हुए गोयल ने प्रधानमंत्री की हाल में संपन्न यूएई, नॉर्वे, स्वीडन, नीदरलैंड और इटली की यात्रा के परिणामों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मोदी इस दौरे से देश के हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ लेकर लौटे हैं। गोयल ने कहा कि चाहे देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना हो, रक्षा क्षेत्र को सशक्त बनाना हो, विदेशी निवेश आकर्षित करना हो या निर्यात बढ़ाना प्रधानमंत्री की इस विदेश यात्रा से विभिन्न क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि अपने पांच दिवसीय विदेश दौरे के दौरान प्रधानमंत्री को तीन अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, ''एक ओर पूरा विश्व प्रधानमंत्री मोदी पर अपार विश्वास जताता है, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी, जिनकी सोच नकारात्मक है, अपने शब्दों और भाषा के माध्यम से बार-बार अपना असली स्वभाव और चरित्र उजागर करते हैं। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए ओछी

भाषा का इस्तेमाल करना और अपशब्द कहना वास्तव में निंदनीय है। मंत्री ने कहा, ''मुझे बताइए, क्या नक्सलवाद का अंत करना 'गद्दारी' का काम है, या वर्षों तक कांग्रेस के शासन में नक्सलवाद को बढ़ने देना असली 'गद्दारी' थी? क्या तिरंगे का वैश्विक सम्मान बढ़ाना 'गद्दारी' है? उन्होंने सवाल किया, या उसे 'गद्दारी' माना जाएगा जब कोई विदेश जाकर भारत के तिरंगे का अपमान करता है?''

वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, क्या आतंकवाद की कमर तोड़कर उसे करारा जवाब देना 'गद्दारी' माना जाएगा, या फिर आतंकवादियों को बिरयानी खिलाने और उनसे समझौते करने को 'गद्दारी' कहा जाना चाहिए?

गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को सुरक्षित रखा है, जो उनके सच्चे देशभक्त होने को दर्शाता है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार जिस तरह घुसपैठियों को संरक्षण देते हैं, वह 'गद्दारी' है। गांधी ने बुधवार को अपने लोकसभा क्षेत्र रायबरेली में एक कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार पर हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को देशद्रोही कहा था।

गोयल ने कहा, गालियां देना कमजोर लोगों का हथियार होता है। स्पष्ट है कि देश अब राहुल गांधी और गांधी परिवार की कमजोरियों तथा कांग्रेस पार्टी की विफलताओं को देख रहा है। उन्होंने कहा कि देश यह भी देख रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है और उसका वैश्विक कद भी बढ़ा है।

गोयल ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री को लगातार इसलिए गालियां देते रहते हैं क्योंकि उनकी पार्टी को जनता ने बार-बार नकार दिया है।

वैष्णव ने ट्रेन में आग लगने की घटना में साजिश की आशंका को लेकर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल में कई ट्रेन में आग लगने की घटनाओं की प्रारंभिक जांच में असामाजिक तत्वों की संलिप्तता का संकेत मिलने के बाद बृहस्पतिवार को एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की।

रेल मंत्रालय की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, ''बैठक के दौरान यह बात सामने आई कि हाल में कई ट्रेन में आग लगने सहित अन्य घटनाओं की प्रारंभिक जांच के दौरान असामाजिक तत्वों की संलिप्तता सामने आई है।'' इसमें कहा गया है कि वैष्णव ने राष्ट्रीय राजधानी में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में देश भर के फील्ड अधिकारियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया। अधिकारियों ने बताया कि आरपीएफ आग लगने की घटनाओं की तत्परता से जांच कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कई मामलों में रेलवे द्वारा की गई त्वरित और तत्पर कार्रवाई से बड़ी दुर्घटनाओं को टालने में मदद मिली। समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया कि खुफिया तंत्र को मजबूत करने और प्राप्त सूचनाओं पर तेजी से कार्रवाई करने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के अलावा, रेलवे यात्रियों को यात्रा के दौरान और स्टेशन परिसर में प्रतीक्षा करते समय असामाजिक गतिविधियों को रोकने के प्रयासों में सक्रिय रूप से सहयोग करने के लिए और अधिक प्रोत्साहित करेगा।

देश में बिजली की मांग ने लगातार चौथे दिन बनाया रिकॉर्ड, 270.82 गीगावाट पर पहुंची

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में पारा चढ़ने के साथ बृहस्पतिवार को बिजली की अधिकतम मांग लगातार चौथे दिन रिकॉर्ड स्तर 270.82 गीगावाट तक पहुंच गई। विद्युत मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को बिजली की अधिकतम मांग 265.44 गीगावाट के रिकॉर्ड स्तर पर रही थी।

इससे पहले विद्युत मंत्रालय ने इस गर्मी में बिजली की अधिकतम मांग 270 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान जताया था।

मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''आज (बृहस्पतिवार) लगातार चौथे दिन बिजली की अधिकतम मांग अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। दोपहर 3.45 बजे बिजली की अधिकतम मांग 270.82 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) रही। इस मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।''

मंत्रालय ने यह भी कहा कि देशभर में मौजूदा मौसम की स्थिति को देखते हुए घर और दफ्तर को ठंडा रखने के लिए कूलर, एसी के बढ़ते उपयोग से मांग में वृद्धि हुई है।

बृहस्पतिवार की अधिकतम मांग को पूरा करने में तापीय ऊर्जा का योगदान सबसे अधिक 62.8 प्रतिशत रहा। इसके अलावा सौर ऊर्जा का योगदान 22.0 प्रतिशत, पवन ऊर्जा का 5.0 प्रतिशत, जल विद्युत का 5.8 प्रतिशत रहा। शेष हिस्सेदारी अन्य स्रोतों की रही। मंत्रालय ने कहा कि तापीय ऊर्जा संयंत्रों में कोयले की उपलब्धता पर्याप्त है और आपूर्ति पर नजर रखी जा रही है।

इससे पहले सोमवार से बिजली की अधिकतम मांग रिकॉर्ड ऊंचाई 257.37 गीगावाट तक पहुंच गई थी। वहीं मंगलवार को 260.45 गीगावाट और बुधवार को 265.44 गीगावाट रही थी।

इस बीच, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के बड़े हिस्सों में इस सप्ताह भी लू जारी रहने का अनुमान जताया है। कई जगहों पर पारा 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। आईएमडी ने इस साल अधिक गर्मी पड़ने का अनुमान जताया है। विशेषज्ञों का कहना है कि पारा चढ़ने के साथ घरेलू और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं द्वारा एयर कंडीशनर, एयर कूलर और अन्य उपकरणों के अधिक उपयोग से बिजली की मांग बढ़ रही है। बढ़ते तापमान के कारण बिजली की मांग और खपत में और वृद्धि हो सकती है।

पिछली गर्मियों में, जून, 2025 में बिजली की अधिकतम मांग 242.77 गीगावाट दर्ज की गई थी, जो सरकार के 277 गीगावाट के अनुमान से कम रही।

मई, 2024 में, बिजली की अधिकतम मांग 250 गीगावाट तक पहुंच गई थी जो उस समय एक रिकॉर्ड था और सितंबर, 2023 में बने पिछले अबतक के उच्चतम स्तर 243.27 गीगावाट को पार कर गई थी।

पशु वध के खिलाफ आवाज उठाने के लिए पेटा ने एआई-संचालित रोबोट बकरी पेश की

मुंबई/भाषा। पशु अधिकार संस्था 'पेटा-इंडिया' ने 'आवाज' नामक एआई-आधारित रोबोट बकरी पेश की, जो लोगों को निरामिष भोजन विकल्प चुनने और शाकाहारी खानपान की आदतें अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। एक वीडियो में रोबोट बकरी को अंग्रेजी और हिंदी में बातचीत करते हुए दिखाया है, जिसमें वह बच्चों और अन्य राहगीरों से पूछती है-क्या आप मुझे दोस्त मानते हैं या भोजन? पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा), इंडिया ने बयान में कहा कि 'आवाज' देश भर के कॉलेजों और शहरों के व्यस्त क्षेत्रों में जाएगी ताकि जनता को शाकाहार के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। उसका लक्ष्य 'आवाज' की मदद से लोगों को शाकाहारी बनाना और बलि की उन अभिव्यक्तियों को प्रोत्साहित करना है जिनमें पशु वध न हो। वीडियो में रोबोट बकरी को कहते सुना जा सकता है, ''कुछ लोग सोचते हैं कि हम भोजन हैं, या हमारी जान ली जा सकती है। लेकिन मेरी जिंदगी मेरे लिए खास मायने रखती है, ठीक वैसे ही जैसे आपकी जिंदगी आपके लिए कीमती है।''

फसल ऋण को किसानों के 'सिबिल स्कोर' से न जोड़ें बैंक : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को बैंकों से कहा गया है कि वे किसानों के फसल ऋण की मंज़ूरी को उनके 'सिबिल' स्कोर से न जोड़ें। आगामी खरीफ फसल के मौसम की तैयारियों की समीक्षा के लिए हुई एक बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने उन उर्वरक डीलर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी, जो किसानों को अतिरिक्त उत्पाद खरीदने के लिए मजबूर करते हैं।

फडणवीस ने कहा, ''हर बैंक को, मुख्यालय से लेकर शाखा स्तर तक, यह बता दिया गया है कि फसल ऋण को 'सिबिल' की शर्तों से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारियों ने भी इसकी पुष्टि की है। 'सिबिल' स्कोर से जुड़ी समस्याओं के कारण किसी भी किसान को परेशानी नहीं होनी चाहिए।'' 'सिबिल' स्कोर का उपयोग वित्तीय संस्थानों द्वारा किसी व्यक्ति की ऋण पात्रता को आंकने के लिए किया जाता है। फडणवीस ने कहा कि बैठक के दौरान कृषि ऋण माफी और कृषि ऋण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही घोषित कृषि ऋण माफी योजना को लागू करेगी, और कहा, ''हम इन कर्जों को माफ करेंगे। मंत्रिमंडल में पहले ही चर्चा हो चुकी है, और बाकी जिलों से आंकड़ों के आने के बाद, 30 जून से पहले ऋण माफी लागू कर दी जाएगी।'' महाराष्ट्र में खरीफ की खेती का क्षेत्र लगभग 152 लाख हेक्टेयर है, जिसमें सोयाबीन और कपास का हिस्सा लगभग 88 लाख हेक्टेयर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार संभावित रूप से कठिन मानसून के मौसम के लिए कमर कस रही है।

थोक उपभोक्ताओं की पेट्रोल पंप से खरीदारी के कारण बढ़ी ईंधन की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। थोक उपभोक्ताओं के खुदरा पेट्रोल पंपों की ओर रुख करने से देश के कुछ स्थानों पर ईंधन की मांग में भारी वृद्धि हुई है। इसका कारण थोक आपूर्ति केंद्रों और पेट्रोल पंप पर डीजल की कीमतों में 40 से 42 रुपए प्रति लीटर का भारी अंतर होना है। हालांकि, सरकार का कहना है कि आपूर्ति पर्याप्त और स्थिर बनी हुई है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि कुछ पेट्रोल पंप पर मांग 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ गई है। इसका मुख्य कारण कारण कृषि मौसम और थोक उपभोक्ताओं की खुदरा पेट्रोल पंप से खरीदारी है। मुख्य रूप से इसी वजह से कुछ क्षेत्रों में पेट्रोल पंप पर ईंधन की कमी जैसी स्थिति उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा, ''थोक बिक्री के लिए डीजल और पेट्रोल पंप पर उपलब्ध डीजल की कीमत में 40 से 42 रुपए प्रति लीटर का अंतर है।'' पेट्रोल पंप कारों और दोपहिया वाहनों को ईंधन उपलब्ध कराते हैं, जबकि राज्य सड़क परिवहन बसों और बिजली उत्पादन के लिए डीजल का उपयोग करने वाले दूरसंचार टावर जैसे थोक खरीदारों को ईंधन थोक आपूर्ति केंद्रों से खरीदना होता है। पेट्रोल पंप पर ईंधन लागत से कम दरों पर बेचा जा रहा है, जबकि थोक आपूर्ति आमतौर पर बाजार मूल्य पर होती है। शर्मा ने कहा कि निजी खुदरा विक्रेताओं की तुलना में सरकारी पेट्रोल पंप पर कम कीमतों के कारण भी मांग अधिक देखी जा रही है।

भारत कूटनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ रहा है : कांग्रेस नेता कर्रा

जम्मू/भाषा। कांग्रेस नेता तारिक हमीद कर्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कूटनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर वैश्विक मंचों पर अति-राष्ट्रवाद और नाटक करने का आरोप लगाया। कर्रा ने कहा कि राजीव गांधी को दुनिया भर में आधुनिक भारत के निर्माताओं में से एक माना जाता था और उन्होंने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। पूर्व प्रधानमंत्री की आज ही के दिन 1991 में तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में आतंकवादी संगठन लिट्टे के एक आत्मघाती हमले में हत्या कर दी गई थी। राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यक्रम से इतर कार्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा, मुद्दा यह है कि मोदी जी, इस सरकार की आंतरिक और आर्थिक नीतियों के कारण देश की समस्याएं बढ़ रही हैं। इनकी विदेश नीतियों के चलते दुनिया में हमें जो समर्थन हासिल था, वह धीरे-धीरे कम हो रहा है। अब (अंतरराष्ट्रीय) गुट बन रहे हैं और हमारे बारे में भी (दूसरों द्वारा) फैसले लिए जा रहे हैं।

प्रधान के इस्तीफा देने और पेपर लीक रोकने की व्यवस्था बनने तक लड़ाई जारी रहेगी : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' का पेपर लीक होने के मुद्दे पर राजस्थान में उनकी पार्टी और छात्र इकाई एनएसयूआई के विरोध प्रदर्शन का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़ा देने और पेपर लीक को रोकने की सुरक्षित व्यवस्था बनने तक यह लड़ाई जारी रहेगी।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर यह कटाक्ष भी किया कि जब वह इटली में टॉफी बांट रहे थे तो पेपर लीक से त्रस्त युवा सड़कों पर न्याय की मांग कर रहे थे। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''जब मोदी जी इटली में टॉफी खिलाते हुए रील बना रहे थे तो पेपर लीक से त्रस्त भारत के युवा सड़कों पर न्याय मांग रहे थे। क्योंकि नीट पेपर लीक ने लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद कर दिया। कई बच्चों ने तो अपनी जान तक गंवा दी। मोदी जी ने न ज़िम्मेदारी ली, न धर्मेंद्र प्रधान को हटाया, न एक शब्द कहा।'' अब जब छात्र, एनएसयूआई और कांग्रेस के कार्यकर्ता न्याय की आवाज़ उठा रहे हैं तो भाजपा की प्रदेश सरकारें उन पर लाठियां बरसा रही हैं। राहुल गांधी का कहना था, ''जो सरकार छात्रों के सवालों का जवाब लाठी से देती है, वो जवाबदेही से नहीं, डर से चलती है। पर हम डरने वाले नहीं हैं। हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफ़ा नहीं देते और देश में पेपर लीक रोकने के लिए एक मज़बूत और सुरक्षित सिस्टम नहीं बनता।''

डीआरआई ने 120 करोड़ रुपए मूल्य की तीन लाख ई-सिगरेट जब्त कीं

नई दिल्ली/भाषा। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में तस्करी गिरोह के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान 120 करोड़ रुपए मूल्य की तीन लाख इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट और 'वेप' जब्त की। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय के बयान के अनुसार प्रतिबंधित ई-सिगरेट हर मामले में चीन से मंगाई गई थीं और उन्हें फर्नीचर तथा धातु की कुर्सियों के पुर्जों जैसी वस्तुओं के बीच छिपाकर आयात किया गया था। विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर डीआरआई ने कई संदिग्ध आयात खेपों की पहचान की, उनका पता लगाया और उन्हें रोका। इन खेपों को सीमा शुल्क जांच से बचने के लिए गलत तरीके से घोषित किया गया था। विस्तृत जांच के परिणामस्वरूप विभिन्न ब्रांड, फ्लेवर और विशिष्टताओं वाली लगभग तीन लाख इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट/वेप जब्त की गईं, जिनकी कीमत 120 करोड़ रुपए से अधिक है। इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट और सभी इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन वितरण प्रणालिया भारत में इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध (उत्पादन, निर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, बिक्री, वितरण, भंडारण और विज्ञापन) अधिनियम, 2019 के तहत प्रतिबंधित हैं, जिसे जन स्वास्थ्य के हित में और लोगों को नुकसान से बचाने के लिए लागू किया गया है।

मप्र में फिर 'हनी ट्रैप' जैसे गिरोह की आहट, तीन महिलाओं और पुलिस आरक्षक समेत 7 गिरफ्तार

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर में एक शराब कारोबारी के निजी फोटो-वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर उससे एक करोड़ रुपए वसूलने की कोशिश के आरोप में तीन महिलाओं और एक पुलिस आरक्षक समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में शामिल एक महिला राज्य में सात साल पहले उजागर 'हनी ट्रैप' मामले में भी आरोपी रह चुकी है। नतीजतन किसी नए 'हनी ट्रैप' गिरोह के सक्रिय होने के संदेह के मद्देनजर पुलिस ताजा घटनाक्रम की विस्तृत जांच में जुट गई है। वर्ष 2019 में सामने आए 'हनी ट्रैप' मामले ने राज्य के सियासी और प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मचा दिया था। पुलिस के मुताबिक इस मामले में एक संगठित गिरोह ने धनवान व्यक्तियों और ऊंचे ओहदों पर बैठे लोगों को महिलाओं के जरिये जाल में फंसाकर उगाही की थी।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राजेश कुमार त्रिपाठी ने संवाददाताओं को बताया कि शहर में शराब और रीयल एस्टेट के कारोबार से जुड़े व्यक्ति की शिकायत पर जांच के बाद मुख्य आरोपी अलका दीक्षित, उसके बेटे जयदीप दीक्षित, लाखन चौधरी, श्वेता जैन, जितेंद्र पुरोहित, रेशू चौधरी और पुलिस आरक्षक विनोद शर्मा को गिरफ्तार किया गया है। त्रिपाठी के मुताबिक कारोबारी ने शिकायत में कहा कि अलका ने उसके व्यवसाय में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी लेने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा, ''कारोबारी को जब पता चला कि अलका के खिलाफ पहले से 16-17 आपराधिक मामले दर्ज हैं, तो उसने इस महिला के साथ कारोबार में साझेदारी से इनकार कर दिया।''

अमृतसर में अवैध पटाखा कारखाने में विस्फोट, एक महिला की मौत

अमृतसर/भाषा। पंजाब में अमृतसर के अनगढ़ क्षेत्र स्थित एक अवैध पटाखा कारखाने में बृहस्पतिवार को विस्फोट हुआ, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान सुमन के रूप में हुई है, जबकि घायल व्यक्ति की पहचान गुरप्रीत के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि सुमन को अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उसकी मौत हो गई। चिकित्सकों के अनुसार, गुरप्रीत की हालत गंभीर है। पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने पुष्टि की कि विस्फोट अनगढ़ रिहायशी क्षेत्र में हुआ, जहां अशोक कुमार नामक व्यक्ति ने अपने घर के अंदर अवैध पटाखा कारखाना खोल रखा था। भुल्लर ने यह भी बताया कि विस्फोट में जान गंवाने वाली सुमन, अशोक की रिश्तेदार थी। उन्होंने कहा कि विस्फोट के बाद, आग की चपेट में आए घर में मौजूद अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने बताया कि आग बुझाने के लिए दमकल गाड़ियां भेजी गईं और मामले की जांच जारी है।

केंद्रीय मंत्री के बेटे के खिलाफ पॉक्सो मामले में केसीआर कुछ बोले क्यों नहीं : रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे के खिलाफ यौन आपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के लिए विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव पर निशाना साधा।

रेवंत रेड्डी ने संजय कुमार के इस बयान पर कटाक्ष किया कि उन्होंने अपने बेटे को पुलिस के साथ सहयोग करने के लिए कहा था। रेवंत रेड्डी ने कहा कि अगर यह पुलिस के सामने स्वेच्छा से आत्मसमर्पण था, तो केंद्रीय मंत्री को अपने बेटे को हिरासत में लेने के लिए पुलिस को बुलाना चाहिए था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें राज्य पुलिस पर भरोसा है, जिसने घोषणा की थी कि उसने संजय कुमार के बेटे भगीरथ को नाकाबंदी के दौरान गिरफ्तार किया था। रेड्डी ने यहां पत्रकारों से कहा, ''जब एक नाबालिग लड़की के साथ अन्याय हुआ (पॉक्सो मामले में), तब नेता प्रतिपक्ष (चंद्रशेखर राव) कहां सो रहे थे? अगर उनमें आगे आकर बोलने की हिम्मत नहीं है, तो कम से कम एक प्रेस विज्ञप्ति तो जारी कर दें। वे जगतियाल जाकर किसी दूसरे दल के नेता को बीआरएस में शामिल करवाएंगे। लेकिन राज्य में इतनी बड़ी घटना होती है, तो नेता प्रतिपक्ष कोई मुंह तक नहीं खोलते।''

पॉक्सो मामले में पीड़ित लड़की और उसके माता-पिता की तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के बीआरएस के आरोपों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष 'बेशर्म' राजनीति कर रहा है।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ बीआरएस के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि बीआरएस नेता के टी रामाराव के एक रिश्तेदार के फार्महाउस में कथित तौर पर नशीले पदार्थ पाए जाने पर सरकार ने नोटिस जारी किया था और पॉक्सो मामले में भगीरथ को भी नोटिस भेजा गया था।

रेड्डी ने पूछा कि बीआरएस ने अपने पूर्व विधायक के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की, जो यहां एक फार्महाउस पर पुलिस पर फायरिंग में कथित तौर पर शामिल था।

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मोदी हर चीज को राजनीतिक नजरिए से देखते हैं, जैसे कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई थी। उन्होंने दावा किया कि अब ईंधन की कीमतें लगभग हर दिन बढ़ाई जा रही हैं।

‘तमिलनाडु के मतदाताओं ने विजय को द्रविड़ पार्टियों के विश्वसनीय विकल्प के रूप में देखा’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चुनाव विश्लेषक प्रदीप गुप्ता ने कहा है कि उनकी एजेंसी ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से लगभग एक साल पहले ही विजय के एक मजबूत राजनीतिक ताकत के रूप में उभरने के संकेत देने शुरू कर दिए थे। मतदाताओं द्वारा उन्हें राज्य की स्थापित द्रविड़ पार्टियों के एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में देखे जाने के कारण अभिनेता-राजनेता के समर्थन में लगातार वृद्धि हुई।

बुधवार को ‘पीटीआई-भाषा’ को दिए एक साक्षात्कार में गुप्ता ने कहा कि उनकी एजेंसी ‘एक्सिस माई इंडिया’ ने विजय के समर्थकों में हुई बढ़ोतरी का विश्लेषण किया तो पता चला कि दक्षिणी राज्य में विधानसभा चुनाव से एक साल पहले उन्हें मिल रहे समर्थन का स्तर लगभग 25 प्रतिशत था जो बढ़कर मतदान के दिन तक 35 प्रतिशत हो गया।

गुप्ता ने कहा, ‘‘हमारी जमीनी तैयारी चुनाव से एक साल पहले शुरू हुई थी। चुनाव से लगभग छह महीने पहले उनका मत प्रतिशत लगभग 25 प्रतिशत रहने का अनुमान था, लेकिन चुनाव से तीन महीने पहले बढ़कर यह 28 प्रतिशत हो गया, फिर चुनाव से लगभग एक महीने पहले यह बढ़कर लगभग 30 प्रतिशत हो गया। और मतदान के दिन यह 35 प्रतिशत तक पहुंच गया था। यही प्रगति का क्रम था।’’

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें इस बात का डर था कि विजय की टीवीके को सत्ता की दौड़ में शामिल करना ‘एक्सिस माई इंडिया’ की ‘बड़ी गलती’ हो सकती है, जबकि अधिकांश अन्य एजेंसियां द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत की भविष्यवाणी कर रही थीं। इस पर गुप्ता ने कहा कि चुनाव पूर्वानुमान में हमेशा अनिश्चितता का एक तत्व होता है। उन्होंने कहा, ‘‘हमने 98 से 120 सीट का अनुमान लगाया था क्योंकि इस बात पर संदेह था कि बहुमत का आंकड़ा (118) पार हो पाएगा या नहीं। यहां तक कि मत प्रतिशत में दो प्रतिशत का अंतर भी सीटों के नतीजों को नाटकीय रूप से बदल सकता है।’’

गुप्ता ने बताया कि ‘एक्सिस माई इंडिया’ ने 35 प्रतिशत मत प्रतिशत का अनुमान लगाया था, जिसमें त्रुटि की गुंजाइश धनात्मक या ऋणात्मक रूप से दो प्रतिशत थी, और टीवीके को अंततः ठीक 35 प्रतिशत वोट मिले। उन्होंने कहा, ‘‘हमारे अनुमानित दायरे का मध्य बिंदु 109 सीट था, और अंततः उसने 108 सीट जीतीं। इस तरह हमने अपने पूर्वानुमान में जोखिम को कम किया।’’

गुप्ता ने समझाया कि गठबंधन बनने और उम्मीदवारों के मैदान में उतरने के बाद, मतदाताओं ने विजय को अग्रणी उम्मीदवार के रूप में पहचानना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, ‘‘यह स्पष्ट होता जा रहा था कि वह सबसे आगे हैं। सवाल यह नहीं था कि वह उभर कर सामने आए हैं या नहीं, बल्कि यह था कि वह अंततः कितनी सीट जीतेंगे और क्या ये सीट सरकार बनाने के लिए पर्याप्त होंगी।’’

विजय के उदय की व्याख्या करते हुए गुप्ता ने कहा कि तमिल सिनेमा में अभिनेता की दशकों पुरानी लोकप्रियता ने उन्हें अद्वितीय ‘ब्रांड इक्विटी’ प्रदान की।

गुप्ता ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में विजय की फिल्मों में अक्सर सत्ता-विरोधी किरदार दिखाए गए हैं जिससे राजनीतिक यथास्थिति को चुनौती देने में सक्षम नेता के रूप में उनकी छवि और मजबूत हुई है। उन्होंने कहा, ‘‘लोग उन्हें राजनीतिक मुद्दों से जुड़े नेतृत्वकर्ता की भूमिका में देखने लगे थे। एक बार जब यह दिशा तय हो गई, तो मतदाताओं ने पूछना शुरू कर दिया कि अगर मौजूदा सरकार नहीं, तो विकल्प कौन है?’’

गुप्ता ने तर्क दिया कि पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता के निधन के बाद अन्नाद्रमुक का कमजोर होना भी विजय के उदय के लिए राजनीतिक अवसर बन गया। उन्होंने कहा, ‘‘लगभग 50 वर्षों तक द्रविड़ राजनीति या तो द्रमुक या अन्नाद्रमुक के इर्द-गिर्द घूमती रही। लेकिन जनसांख्यिकीय परिवर्तनों ने एक युवा तमिलनाडु को जन्म दिया जो एक विश्वसनीय विकल्प की तलाश में है... लोग बदलाव चाहते थे और कुछ नया आजमाना चाहते थे। उन्होंने विजय को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जिस पर भरोसा किया जा सकता है और जो बदलाव लाने में सक्षम है।’’

तमिलनाडु मंत्रिमंडल विस्तार

मुख्यमंत्री विजय ने नए मंत्रियों को विभागों की जिम्मेदारी सौंपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बृहस्पतिवार को अपनी कैबिनेट में नए शामिल किए 23 मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा किया। इनमें कांग्रेस के मंत्री भी शामिल हैं।

विजय ने कुछ विभागों में फेरबदल भी किया। इसके तहत मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने गरीबी उन्मूलन विभाग अपने पास रखा, जबकि महिला कल्याण विभाग नवनियुक्त मंत्री के. जगदेश्वरी को सौंप दिया। पहले महिला कल्याण विभाग विजय ने अपने पास रखा था।

कांग्रेस के एस. राजेश कुमार को पर्यटन और पी. विश्वनाथन को उच्च शिक्षा विभाग आवंटित किया गया है।

इससे पहले वित्त विभाग संभाल रहे के.ए. सेंगोतैयन को अब राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग दिया गया है, जबकि टीवीके के एन. मैरी विल्सन को वित्त, योजना एवं विकास मंत्री बनाया गया है।

टीवीके के मोहम्मद फरवास को श्रम कल्याण एवं कौशल विकास विभाग सौंपा गया है।

लोक भवन की विज्ञप्ति के अनुसार, राज्यपाल ने विभागों में किए गए बदलावों और नए आवंटन को मंजूरी दे दी है।

केरल विधानसभा के अस्थायी अध्यक्ष ने नवनिर्वाचित विधायकों को दिलाई शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा के अस्थायी अध्यक्ष जी. सुधाकरन ने बृहस्पतिवार को नवनिर्वाचित विधायकों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

सुबह नौ बजे शपथ ग्रहण की प्रक्रिया शुरू हुई और राज्य की 16वीं विधानसभा के सदस्यों को शपथ उनके नाम के वर्ण क्रम के आधार पर दिलाई गई। इस लिहाज से सबसे पहले शपथ कलमस्सेरी विधानसभा सीट से निर्वाचित हुए इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के विधायक अब्दुल गफूर ने ली। शपथ ग्रहण की प्रक्रिया साढ़े 12 बजे तक चली। इस क्रम के हिसाब से मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने 105वें स्थान पर व नेता प्रतिपक्ष पिनराई विजयन ने 133वें स्थान पर शपथ ली। सबसे अंत में वडक्कनचेरी विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) विधायक जेवियर चितिलाप्पिल्ली ने शपथ ली।

इस दौरान 42 विधायकों ने ईश्वर के नाम के बजाय ‘‘सत्यनिष्ठा से’’ शपथ ली। सत्यनिष्ठा से शपथ लेने वालों में माकपा व भाकपा के सभी विधायक, कांग्रेस विधायक वी.टी. बलराम और सुमेश अच्युतन, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) के नेता शिबू बेबी जॉन व विष्णु मोहन तथा रिवोल्यूशनरी मार्क्सवादी पार्टी ऑफ इंडिया (आरएमपी) के विधायक के.के. रेमा शामिल रहे।

इनके अलावा, माकपा से नाता तोड़ने के बाद यूडीएफ समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव में उतरे टी.के. गोविंदन और वी. कुन्हिकृष्णन तथा कम्युनिस्ट मार्क्सिस्ट पार्टी केरल राज्य समिति (सीएमपी केएससी) के विधायक सी.पी. जॉन ने भी ‘सत्यनिष्ठा के साथ’ शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में मंजेश्वर विधानसभा सीट से इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) विधायक ए.के.एम. अशरफ ने कन्नड़ और मलयालम के मिश्रण वाली क्षेत्रीय भाषा में शपथ ली, जबकि देविकुलम से कांग्रेस विधायक एफ. राजा ने तमिल में शपथ ली।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला, के. मुरलीधरन और सनी जोसेफ, पार्टी नेता मैथ्यू कुझलनादान और संदीप वारियर, आरएसपी विधायक जॉन, आईयूएमएल विधायक फैजल बाबू और यूडीएफ के सहयोगी दल ‘केरल डेमोक्रेटिक पार्टी’ के विधायक मणि सी. कप्पन ने अंग्रेजी में शपथ ली। वारियर ने शपथ लेते समय संविधान की एक प्रति हाथ में उठाई और ‘जय हिंद’ तथा ‘जय सीता राम’ बोलते हुए अपनी शपथ समाप्त की। आरएसपी के जॉन और मोहन ने सत्यनिष्ठा से शपथ ली, जबकि उनके पार्टी सहयोगी उल्लास कोवूर ने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। भाजपा विधायक राजीव चंद्रशेखर, बी.बी. गोपकुमार और वी. मुरलीधरन ने भी ईश्वर के नाम पर शपथ ली।

विधानसभा शुक्रवार सुबह अध्यक्ष के चुनाव के लिए पुनः आहूत होगी। विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव के लिए कांग्रेस ने टी. राधाकृष्णन और भाजपा ने गोपकुमार को उम्मीदवार बनाने की घोषणा की है, जबकि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने अभी तक कोई नाम प्रस्तावित नहीं किया है।

तमिलनाडु : राज्यपाल ने मंत्रियों के शपथ ग्रहण के दौरान कुछ और बोलने पर कांग्रेस सदस्य को टोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बृहस्पतिवार को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) नीत मंत्रिमंडल के विस्तार के दौरान मंत्रियों को शपथ दिलाई और कांग्रेस नेता एस राजेश कुमार से लिखित शपथ का पालन करने को कहा। राजेश ने कुछ और बोलने की कोशिश की थी।

कांग्रेस नेता द्वारा अपने पार्टी नेताओं की प्रशंसा में नारे लगाने के बाद आर्लेकर ने कुमार से उन्हें लिखित शपथ का पालन करने को कहा। कुमार तमिलनाडु विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता हैं। बृहस्पतिवार को सी. जोसेफ विजय नीत मंत्रिमंडल में 23 मंत्रियों को शपथ दिलायी गई। यहां लोक भवन में राज्य मंत्री के रूप में शपथ लेने के दौरान कुमार ने अचानक कांग्रेस नेताओं कामराज, राजीव गांधी और राहुल गांधी की प्रशंसा की, जिस पर राज्यपाल ने कहा, यह आपकी शपथ का हिस्सा नहीं है।

इसके तुरंत बाद एक अधिकारी कुमार के पास आया और उनके सामने रखे लिखित भाषण की ओर इशारा किया। इसके बाद उन्होंने शपथ पूरी की।

कुछ ही मिनट बाद, सलेम दक्षिण से टीवीके विधायक ए विजय तमिलन पार्थिबन ने मंत्री पद की शपथ ली और मंच पर उपस्थित पार्टी नेता तथा मुख्यमंत्री विजय की प्रशंसा करते हुए कहा, वाझगा थलाइवर, वलर्गा तमिल (नेता अमर रहें, तमिल समृद्ध हो)।’’

श्रीपेरुम्बुदुर से टीवीके सदस्य थेन्नारासु ने मंत्री पद की शपथ लेते हुए कहा कि उनकी निष्ठा पार्टी नेता और पार्टी के प्रति होगी।

टीवीके सरकार पांच साल पूरे करेगी, कांग्रेस पूरा समर्थन देगी: मंत्री विश्वनाथन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। कांग्रेस नेता और उच्च शिक्षा मंत्री पी विश्वनाथन ने बृहस्पतिवार को दावा कि मुख्यमंत्री सी जोसफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी।

विश्वनाथन ने कहा कि उनकी पार्टी तमिलनाडु में टीवीके नीत सरकार का पूरा समर्थन करेगी। कांग्रेस के पांच विधायक हैं। पार्टी ने विश्वास मत के दौरान टीवीके का समर्थन किया है। लोक भवन में पर्यटन मंत्री राजेश कुमार एस के साथ मंत्री पद की शपथ लेने के बाद विश्वनाथन यहां कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वापेरुंथगई से मुलाकात की। विश्वनाथन ने कहा, ‘‘कांग्रेस पार्टी मुख्यमंत्री की हर योजना और पहल को पूरा समर्थन देगी।’’ राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के संदर्भ में सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा, हमारे नेता, राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से तमिलनाडु को नीट से छूट देने की अपील की है। मैं भी मांग का समर्थन करता हूं। तमिलनाडु को नीट की जरूरत नहीं है।’’

तमिलनाडु ने एआई को समर्पित एक अलग विभाग का गठन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु सरकार ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के लिए समर्पित एक अलग विभाग का गठन किया है। पड़ोसी राज्य केरल के बाद एआई के लिए अलग विभाग गठित करने वाला यह दूसरा राज्य बन गया है।

तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के विधायक आर कुमार को बृहस्पतिवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की उपस्थिति में मंत्री पद की शपथ दिलाई। कुमार वेलाचेरी विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। उन्हें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल सेवाओं से संबंधित विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। यह कदम केरल सरकार द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर ध्यान केंद्रित करने वाले एक अलग विभाग के गठन की घोषणा के कुछ ही समय बाद उठाया गया।

तमिलनाडु: मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में तमिल थाई वाझथु के पाठ के क्रम को लेकर विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के लोक भवन में बृहस्पतिवार को नव नियुक्त मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान गाए गए गीतों की श्रृंखला में सबसे अंत में तमिल गीत थाई वाझथु (तमिल प्रार्थना गीत) गाए जाने के बाद एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है।

मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के पहले मंत्रिमंडल विस्तार के अवसर पर आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में वंदे मातरम और राष्ट्रगान के बाद तमिल गीत गाए जाने पर वामपंथी दलों ने आपत्ति जताई। बृहस्पतिवार को 21 तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) विधायकों और दो कांग्रेस विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।

राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने नव नियुक्त 23 मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इसी तरह का विवाद तब भी सामने आया था जब 10 मई को विजय के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान वंदे मातरम और जन गण मन के बाद तीसरे स्थान पर तमिल गीत का पाठ किया गया था, जिसे राज्य सरकार के समारोहों के प्रारंभ में हमेशा गाया जाता है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राज्य सचिव एम. वीरपांडियन ने कहा कि तमिलनाडु के राज्यपाल को तमिल थाई वाझथु (तमिल लोगों की भावनाओं का भी उचित ध्यान रखा जाना चाहिए) को प्राथमिकता देनी चाहिए।

वीरपांडियन ने यहां पत्रकारों से कहा, हम दोहराते हैं कि राज्यपाल को तमिल गीत को प्राथमिकता देने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। हम भारत के राष्ट्रगान का सम्मान करते हैं। लेकिन हम दोहराते हैं कि राज्यपाल को तमिल गीत को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी भारतीय राष्ट्रगान के खिलाफ नहीं है, बल्कि वह चाहती है कि सरकारी कार्यक्रमों में तमिल गीत ‘थाई वाझथु’ को प्राथमिकता दी जाए।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्य सचिव पी. शनमुगम ने कहा कि जब मुख्यमंत्री के समक्ष तमिल थाई वाझथु को सबसे अंत में गाए जाने का मुद्दा उठाया गया, तो मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्यपाल द्वारा भाग लिए जाने वाले सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम सबसे पहले गाया जाएगा।

हम टीवीके सरकार में शामिल होंगे: आईयूएमएल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के शीर्ष नेता के.एम. कादेर मोहिदीन ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होगी। पार्टी की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने के बाद मोहिदीन ने संवाददाताओं से कहा कि पार्टी ने विजय सरकार का हिस्सा बनने का फैसला किया है।

उन्होंने यह भी बताया कि आईयूएमएल ने अपने विधायक ए.एम. शाहजहां को कैबिनेट में शामिल करने की सिफारिश करने का भी निर्णय लिया है। शाहजहां पापनासम विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं।

सिद्दरामय्या ने पेट्रोल और डीजल पर कर कम नहीं करने के दिए संकेत, केंद्र पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को संकेत दिया कि राज्य सरकार पेट्रोल और डीजल पर कर में कोई कमी नहीं करेगी। उन्होंने ईंधन की कीमतों में वृद्धि के लिए केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को दोषी ठहराया।

सिद्दरामय्या ने सवाल किया कि क्या केंद्र सरकार द्वारा करों में वृद्धि किए जाने पर राज्य सरकार को करों में कमी करना चाहिए। मुख्यमंत्री से पेट्रोल और डीजल पर कर और उपकर कम करने के सवाल पर कहा, वे (केंद्र) कीमतें बढ़ाते हैं, और हमें (राज्य सरकार को) कम करनी चाहिए? जब वे कीमतें बढ़ाते हैं तो आप (मीडिया) कुछ नहीं कहते। आप मुझसे पूछते हैं कि क्या राज्य सरकार कर कम करेगी, लेकिन जब वे कीमतें बढ़ाते हैं तो आप सवाल नहीं उठाते।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब डीजल की कीमत 48 रुपये प्रति लीटर, पेट्रोल की कीमत 70 रुपये प्रति लीटर और गैस की कीमत 414 रुपये प्रति सिलेंडर थी। सिद्दरामय्या ने सवाल किया, अब इनकी कीमत कितनी है? कीमतें किसने बढ़ाईं? मुख्यमंत्री से जब पूछा गया कि क्या राज्य सरकार प्रदेश में अधिक करों को देखते हुए जनता को कोई राहत देगी, तो उन्होंने यह कहते हुए बात टाल दी, आप यह सवाल क्यों पूछ रहे हैं? क्या आप कह रहे हैं कि वे बढ़ाते हैं और आप घटाते हैं? उल्लेखनीय है कि मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। एक हफ्ते से भी कम समय में यह दूसरी बढ़ोतरी है।

केरल के मुख्यमंत्री ने पुनः पूरा नाम लेते हुए विधायक के रूप में शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने बृहस्पतिवार को 16वीं राज्य विधानसभा के विधायक के रूप में शपथ एक बार फिर अपना पूरा नाम वदास्सेरी दामोदर मेनन सतीशन पढ़ते हुए ली।

सोमवार को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण समारोह में भी उन्होंने अपना पूरा नाम लिया था, जिसके चलते सोशल मीडिया के विभिन्न वर्गों के साथ-साथ कुछ कांग्रेस नेताओं ने भी जाति उपनाम ’मेनन’ का उपयोग करने के लिए उनकी आलोचना की।

सतीशन ने बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में अपने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मेनन उपनाम के इस्तेमाल का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने केवल अपने पिता का नाम लिया था और ऐसे अवसर पर ऐसा करने में उन्हें कुछ भी गलत नहीं लगा।

सतीशन ने यहां मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सवाल किया, अगर मैं अपने पिता का नाम लेता हूं तो इसमें क्या गलत है? क्या मुझे उन्हें याद नहीं करना चाहिए? उन्होंने यह भी कहा था कि वह अपनी मां का नाम भी लेना चाहते थे, लेकिन इसकी गुंजाइश नहीं थी।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के रूप में सतीशन के शपथ लेने की तुलना 2021 में विधायक के रूप में ली गई उनकी शपथ से की।

साल 2021 में विधानसभा सदस्य के रूप में शपथ लेते समय उन्होंने अपना नाम वी डी सतीशन पढ़ा था।

बृहस्पतिवार को विधायक के रूप में शपथ लेते समय सतीशन ने फिर से अपना पूरा नाम पढ़ा।

राजीव गांधी ने भारत को सपने देखना सिखाया: मुख्यमंत्री सतीशन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सतीशन ने उन्हें आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए कहा कि उन्होंने देश को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया। फेसबुक पर एक पोस्ट में सतीशन ने कहा कि राजीव गांधी को याद करते समय मन भावुक हो जाता है। सतीशन ने प्रधानमंत्री के रूप में अपने संक्षिप्त कार्यकाल के दौरान भारत को आधुनिकता और वैज्ञानिक प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाने में राजीव गांधी के योगदान की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा, गांधी ने पूरा जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया और भारत को सपने देखना सिखाया। सतीशन ने कहा कि राजीव गांधी, इंदिरा गांधी और उनकी अगली पीढ़ियों ने नफरत की राजनीति का विरोध किया। गांधी के कई फैसले प्रेम, मानवता और धर्मनिरपेक्षता की छाप थी। मुख्यमंत्री सतीशन ने नई दिल्ली में राजीव गांधी के स्मारक का जिक्र करते हुए कहा, वीर भूमि केवल कांग्रेस के लिए ही नहीं बल्कि राष्ट्र के लिए भी ऊर्जा का स्रोत है। इससे पहले, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में भी राजीव गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री सतीशन, केपीसीसी अध्यक्ष और विद्युत मंत्री सनी जोसेफ और गृह मंत्री रमेश चेन्निथला उपस्थित रहे। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक चुनावी रैली के दौरान ’लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम’ (एलटीटीई) की एक महिला आत्मघाती हमलावर द्वारा हत्या कर दी गई थी।

लोकायुक्त ने बागलकोट में अवैध रेत खनन को लेकर मामला दर्ज किया

बेंगलूरु। कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने कृष्णा नदी के तल में बड़े पैमाने पर अवैध रेत खनन को लेकर खान एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारियों तथा बागलकोट जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। यह मामला बेंगलुरु स्थित खान एवं भूगर्भ विज्ञान विभाग के निदेशक, बागलकोट जिले में विभाग के उपनिदेशक, बागलकोट के उपायुक्त तथा बादामी, मुधोल, जमखंडी, हुनागुंड और इलकल तहसीलों के तहसीलदारों के खिलाफ दर्ज किया गया है।

समर्पित भाव से कार्य करते हुए योजनाओं का लाभ पात्र जनों तक पहुंचाएं : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रदेश सरकार जनजातीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए भरसक प्रयास कर रही है और इसमें कहीं कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने राज्य सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र जन तक पहुंचाने के साथ ही पूरी संवेदनशीलता के साथ दायित्वों के निर्वहन और सुशासन के संकल्पों को साकार करने की दिशा में समर्पित भाव से जुटने का आह्वान किया है। बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिले के तीन दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने गुरुवार को बांसवाड़ा जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिलास्तरीय अधिकारियों की बैठक में विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों, अभियानों तथा नवाचारों की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति पर विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने प्रवृत्तिवार एवं क्षेत्रवार अब तक प्राप्त उपलब्धियों की जानकारी ली तथा इनके क्रियान्वयन में तेजी लाए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बांसवाड़ा नगर परिषद आयुक्त दुर्गेश सिंह रावल की कार्यप्रणाली पर अंसतोष व्यक्त किया और इसके बाद स्वायत्त शासन विभाग ने आयुक्त को एपीओ करने के आदेश जारी कर दिए।

मुख्यमंत्री ने नहरों एवं तालाबों की उपयुक्त साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि नहरों में जल वितरण तथा वर्षा काल से पूर्व जिले के जलाशयों की सफाई पर गंभीरता बरतें। उन्होंने माही की एक-एक बूंद के सदुपयोग का आह्वान करते हुए कहा कि माही का पानी व्यर्थ न जाए। सिंचाई जल के साथ पेयजल के लिए भी माकूल प्रबन्ध सुनिश्चित रहने चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान पर जोर देते हुए जल आत्मनिर्भरता को सर्वोपरि बताया और कहा कि स्थायी महत्त्व के कार्यों को गति दी जाए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि जन-उपयोगी संसाधनों और सेवाओं का पूरा-पूरा लाभ ग्रामीणों तक पहुंचना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे फील्ड विजिट पर अधिक ध्यान देते हुए अपनी यात्रा के दौरान सभी क्षेत्रों की जरूरतों के प्रति सतर्क रहें और जहां कहीं कोई समस्या सामने आए, स्वतः संज्ञान लेकर इनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी ग्राम्यांचलों में भ्रमण, पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण का कार्य पूरी गंभीरता के साथ करें। उन्होंने अवैध धर्मान्तरण करवाने वालों तथा राजनीतिक गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले सरकारी कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि वर्तमान सत्र के दौरान विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने की दिशा में योजनाबद्ध रूप से पूरी तैयारी के साथ काम किया जाए ताकि बच्चों का स्कूलों में प्रवेश और ठहराव सुनिश्चित हो सके। उन्होंने जिले में चन्दन वन विकसित किए जाने की पहल को दूरगामी कदम बताते हुए कहा कि इनमें 11-11 हजार चन्दन के पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने वन विभाग की योजनाओं, वन विकास गतिविधियों, हरियालो राजस्थान आदि पर जोर देते हुए लक्ष्य के अनुरूप पौधरोपण के साथ ही वन संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हर स्तर पर प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने नशे पर रोकथाम, शहर की सड़कों की मरम्मत व पेचवर्क तत्काल सुनिश्चित करने के साथ ही शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता बनाए रखने और जल समस्या सामने आने पर तत्काल कार्यवाही करते हुए राहत देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, सौर ऊर्जा आधारित तथा अन्य लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं, बजट घोषणाओं की अद्यतन प्रगति, बिजली तंत्र विकास एवं सुधार तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की स्थिति, पेयजल परियोजनाओं, जिले में पेयजल उपलब्धता एवं वितरण, समर कंटीन्जेंसी प्लान, जल जीवन मिशन, सड़क सुविधाओं के विस्तार, नवीन सड़कों के निर्माण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं, मौसमी बीमारियों से निपटने के ऐहतियाती प्रयासों, हीटवेव प्रबन्धन, चिकित्सा सेवाओं के आधुनिकीकरण आदि की प्रगति की जानकारी ली और हर स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बांसवाडा जिले में विकास की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने यहां की स्वस्थ आबोहवा को देखते हुए पर्यटन को बढावा देने पर भी जोर दिया। किसानों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हित में विभिन्न योजनाओ का संचालन कर रही है, जिनके सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं।

सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत

जयपुर। राजस्थान के सिरोही जिले में बृहस्पतिवार सुबह हुए सड़क हादसे में दो चचेरे भाइयों समेत तीन युवकों की मौत हो गई। मृतकों में शामिल एक युवक की इसी सप्ताह शादी होने वाली थी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा गुजरात-सिरोही राष्ट्रीय राजमार्ग पर डबानी मोड़ के पास उस समय हुआ, जब एक ट्रेलर ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

अनादरा थाने के निरीक्षक कमलेश कुमार ने बताया कि मृतकों की पहचान नरमा गरासिया (24), रमेश गरासिया (24) और गोविंद (28) के रूप में हुई है। तीनों खरुआड़ा (रेवदर) गांव के निवासी थे। इनमें गोविंद और नरमा चचेरे भाई थे, जबकि रमेश उनका दूर का रिश्तेदार था।

राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने पेट्रोल व डीजल पर वैट घटाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन (आरपीडीए) ने पेट्रोल और डीजल पर मूल्यवर्धित कर (वैट) घटाने की मांग की है ताकि किसानों व आम जनता को बढ़ती महंगाई से राहत मिले। संगठन ने इस मांग को लेकर बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में संगठन ने कहा है कि ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं। भारत में 15 मई एवं 19 मई, 2026 को ईंधन के दाम बढ़ाए गए।

इसमें कहा गया कि पेट्रोल और डीजल के दाम में बढ़ोतरी से आमजन के उपयोग में आने वाली सभी वस्तुएं धीरे-धीरे महंगी हो रही हैं क्योंकि दैनिक उपयोग में काम आने वाली वस्तुओं के मूल्य डीजल के मूल्यों से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े रहते हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र भाटी ने कहा कि राजस्थान में फिलहाल पेट्रोल पर 29.04 प्रतिशत और डीजल पर 17.30 प्रतिशत वैट लगता है और जब भी ईंधन की कीमतें बढ़ती हैं तो राज्य का राजस्व अपने आप बढ़ जाता है। उन्होंने दावा किया कि हाल ही में ईंधन की कीमतों में हुई बढ़ोतरी से राज्य के राजस्व में पेट्रोल पर 95 पैसे प्रति लीटर और डीजल पर 58 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। भाटी ने सरकार से अनुरोध किया कि वह इस बढ़ोतरी से होने वाले अतिरिक्त राजस्व के बोझ को कम करे और महंगाई के दबाव का सामना कर रहे किसानों और उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करे।

प्रधानमंत्री पर राहुल गांधी के बयान के विरोध में भाजपा का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय के बाहर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर दिए गए कथित बयान के विरोध में प्रदर्शन किया और उनका पुतला जलाया। प्रदर्शन के दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गांधी के खिलाफ नारे लगाए और प्रधानमंत्री को निशाना बनाने वाले उनके कथित बयान की निंदा की।

भाजपा राजस्थान अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि राहुल गांधी की टिप्पणियों को लेकर जनता में व्यापक आक्रोश है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने अपना जीवन राष्ट्र सेवा को समर्पित किया है।

अपनी मां के अंतिम संस्कार के तुरंत बाद उन्होंने देश के विकास कार्यों को फिर से आगे बढ़ाया। राठौड़ ने कहा कि देशद्रोही जैसे शब्दों का इस्तेमाल उस नेता के लिए करना, जिसके परिवार में 140 करोड़ भारतीय शामिल हैं, अनुचित है और इससे जनभावनाएं आहत हुई हैं।

उन्होंने कहा, लोग स्वाभाविक रूप से ऐसे बयानों से नाराज हैं। केवल पुतले जलाना और नारे लगाना ही पर्याप्त नहीं है। हमारे कार्यकर्ता घर-घर जाकर जनजागरण अभियान चलाएंगे। राठौड़ ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता जनता से अपील करेंगे कि ऐसे आपत्तिजनक बयान देने वालों का सामाजिक बहिष्कार किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे लोग राजनीति के योग्य नहीं हैं।

उन्होंने कहा, राजनीतिक विरोध हो सकता है, लेकिन इस तरह की अपमानजनक और निम्न स्तरीय भाषा का इस्तेमाल देश बर्दाश्त नहीं करेगा। भाजपा नेता ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह कठिन समय में सहयोग करने के बजाय सरकार की आलोचना कर रहा है और अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहा है। राठौड़ ने कहा, विपक्ष की वर्तमान भूमिका निंदनीय है। जो राजनीति के स्तर को गिरा रहे हैं उन्हें सामाजिक बहिष्कार का सामना करना चाहिए।

नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, प्रधान के इस्तीफे की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई ने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट- यूजी) के प्रश्नपत्र लीक प्रकरण को लेकर यहां बृहस्पतिवार को विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय की ओर रैली निकालने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें बैरिकेड लगाकर रोक दिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार की। कांग्रेस नेताओं ने इस मामले में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को भंग करने की मांग की। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता पार्टी मुख्यालय से पैदल मार्च निकाला। वे शहीद स्मारक होते हुए रैली के रूप में भाजपा कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे और हाथों में तख्तियां व बैनर लिए हुए थे। शहीद स्मारक के पास पुलिस ने भारी सुरक्षा बल तैनात किए और बैरिकेड लगाकर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका। जब कुछ कार्यकर्ता बैरिकेड पर चढ़ गए और उन्हें लांघकर भाजपा कार्यालय की ओर बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार की। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने डोटासरा को अपने कंधों पर उठा लिया।

पुलिसकर्मियों द्वारा प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश के दौरान दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। विरोध प्रदर्शन के दौरान पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास शहीद स्मारक के पास पुलिस कमिश्नरेट के सामने धरने पर बैठ गए। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस कार्यकर्ता भी शामिल हुईं। उन्होंने गीत गाकर तथा डफली बजाकर प्रदर्शन किया। कुछ युवा भी मेडिकल छात्रों की वेशभूषा में इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

विरोध प्रदर्शन के बाद, मामूली चोटिल कुछ कार्यकर्ताओं को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। डोटासरा और जूली सहित वरिष्ठ नेताओं ने अस्पताल का दौरा किया और उनसे मुलाकात की। रैली से पहले कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डोटासरा ने आरोप लगाया कि नीट परीक्षा में बार-बार हो रही अनियमितताओं ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) पर से जनता का भरोसा खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा, एनटीए को भंग किया जाना चाहिए और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए। डोटासरा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस मामले में जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि मामले की सीबीआई जांच अदालत की निगरानी में होनी चाहिए। कांग्रेस ने दावा किया कि नीट-यूजी का प्रश्नपत्र लीक होने से करीब 22 लाख छात्रों के भविष्य पर असर पड़ा है। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत कई वरिष्ठ नेता इस रैली में शामिल हुए। वर्ष 2026 के लिए तीन मई को आयोजित नीट (यूजी) प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बीच दो दिन बाद रद्द कर दी गई थी। केंद्र सरकार ने इस मामले की जांच का जिम्मा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपा है।

जयपुर में अगले महीने से शुरू हो सकती है 'भारत टैक्सी' सेवा

जयपुर। सहकारी मॉडल पर आधारित देश की पहली कैब सेवा 'भारत टैक्सी' के अगले महीने जयपुर में शुरू होने की संभावना है। अधिकारियों का कहना है कि प्रस्तावित टैक्सी सेवा लोगों को किफायती और सुरक्षित परिवहन का विकल्प उपलब्ध कराएगी। इस सेवा को लेकर बुधवार को यहां भारत टैक्सी संवाद कार्यक्रम हुआ। इसमें राज्य के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने इस सेवा को लेकर सारथियों (चालकों) को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सहकारी मॉडल पर आधारित भारत की पहली टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' आमजन को किफायती और सुरक्षित परिवहन का विकल्प उपलब्ध कराएगी। साथ ही यह, 'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को साकार करते हुए सारथियों (चालकों) की आर्थिक उन्नति का आधार भी बनेगी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली, लखनऊ, मुंबई और चंडीगढ़ के बाद अब जयपुर सहित अन्य शहरों में शीघ्र भारत टैक्सी सेवा शुरू होने जा रही है। जयपुर में जून माह के प्रथम सप्ताह में इस सेवा की शुरुआत प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी एक ऐसी अनूठी सेवा है, जिसमें मालिक कोई बाहरी व्यक्ति या कंपनी नहीं होकर स्वयं टैक्सी चलाने वाले सारथी हैं। यह सेवा स्वामित्व, सुरक्षा कवच, सम्मान और लाभांश का समान वितरण के चार मूल विचारों पर आधारित है। इसमें टैक्सी चलाने वाला सारथी ही कंपनी का वास्तविक मालिक होगा।

दक ने कहा कि 'भारत टैक्सी' में किसी भी सारथी का खाता बिना सुनवाई के बंद नहीं किया जाएगा।

बांसवाड़ा के चुड़ादा गांव में ग्रामीणों से मिले मुख्यमत्री, समस्याओं का किया समाधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को बांसवाड़ा जिले के चुड़ादा गांव में रातभर ठहरने के बाद सुबह ग्रामीणों से मुलाकात की और मौके पर ही जन शिकायतों पर आवश्यक निर्देश दिए। दौरे के दौरान शर्मा विभिन्न स्थानों पर रुके, स्थानीय निवासियों से बातचीत की। उन्होंने बच्चों को चॉकलेट बांटी और ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीणों ने पेयजल और सिंचाई से जुड़ी समस्याएं उठाईं, जिस पर मुख्यमंत्री ने प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

एक मामले में एक महिला ने अपने पति, जो सागवाड़ा में सहायक अभियंता हैं, का तबादला बांसवाड़ा करने का अनुरोध किया क्योंकि उनके बेटे को सेरेब्रल पाल्सी की समस्या है। मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए और कुछ ही घंटों में तबादला आदेश जारी कर दिया गया। इस बीच, ठुम्मठ गांव के निवासियों ने मुख्यमंत्री से 'मा-बाड़ी केंद्र' निर्माण की मांग की। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जनजातीय क्षेत्र विकास विभाग ने इस परियोजना के लिए 16.20 लाख रुपये स्वीकृत किए, जिसमें से 14.58 लाख रुपये प्रथम चरण में जारी किए जाएंगे।

वन एवं पर्यावरण मंत्री ने गोडावण प्रतिमा का किया अनावरण

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने राज्य पक्षी गोडावण के संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं जैव विविधता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को जैसलमेर स्थित राष्ट्रीय मरु उद्यान में राज्य पक्षी गोडावण की प्रतिमा का अनावरण कर प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण के प्रति राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का संदेश दिया।

इस अवसर पर वन मंत्री शर्मा ने पीपल का पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित राजस्थान के लिए प्रेरित किया, वहीं जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी ने मरुधरा की जीवनरेखा मानी जाने वाली खेजड़ी का पौधा लगाकर प्रकृति संरक्षण में जनभागीदारी का आह्वान किया। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री ने राष्ट्रीय मरु उद्यान एवं अभयारण्य क्षेत्र का अवलोकन किया एवं डेज़र्ट नेशनल पार्क क्षेत्र में सफारी कर गोडावण सहित अन्य वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास, संरक्षण गतिविधियों एवं प्रबंधन व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने संरक्षण कार्यों में लगे अधिकारियों एवं कार्मिकों से संवाद कर जमीनी स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी ली।

इस दौरान वन्यजीव प्रेमी वसना राम ने राज्य पक्षी गोडावण की विशेषताओं, उसके प्राकृतिक परिवेश, जीवन शैली एवं मरुस्थलीय क्षेत्र में पाए जाने वाले अन्य वन्यजीवों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गोडावण राजस्थान की समृद्ध जैव विविधता एवं प्राकृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण प्रतीक है।

भीषण गर्मी से तपा राजस्थान

जयपुर। पूरा राजस्थान इन दिनों तेज गर्मी की चपेट में है और मौसम विभाग के अनुसार मौसम का यह दौर अभी कुछ दिन जारी रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 43-46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है। बृहस्पतिवार सुबह तक के चौबीस घंटे में राज्य में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। इस दौरान कहीं-कहीं ऊष्ण लहर (हीट वेव) दर्ज की गई। सर्वाधिक अधिकतम तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस गंगानगर में रहा। राज्य के अधिकांश भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने व पश्चिमी, उत्तरी व पूर्वी भागों में अधिकतम तापमान 44-46 डिग्री दर्ज होने व कुछ भागों में 'हीट वेव' तथा ऊष्ण रात्रि दर्ज होने की संभावना है। हालांकि, इसी दौरान राज्य के पश्चिमी, उत्तरी व पूर्वी भागों में 20-30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूलभरी सतही हवाएं चल सकती हैं।

प्रदेश के माटी कलाकारों के आर्टिजन कार्ड बनेंगे

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की घोषणाओं से माटी कला को नई पहचान मिली है। बोर्ड को पिछले 2 वर्षों में पिछले 10 वर्षों से भी अधिक बजट मिला है। जयपुर के बिचून औद्योगिक क्षेत्र में माटी कला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा। श्रीयादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने यह बात गुरुवार को उद्योग भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से माटी कलाकारों के लिए आधुनिक तकनीक के माध्यम से नए रोजगार के द्वार खुलेंगे। राज्य में माटी कला के सभी कलाकारों, कामगारों के आर्टिजन कार्ड बनाए जाएंगे। इसके लिए बोर्ड द्वारा शिविर लगाए जाएंगे। टाक ने प्रजापत-कुम्हार समाज की आराध्या एवं कुलदेवी श्रीयादे माता का पैनोरमा बनाए जाने की घोषणा के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि इससे माटी कलाकार प्रजापति समाज में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

टाक ने बताया कि राज्य बजट घोषणा वर्ष 2026-27 के तहत 5,000 विद्युत चालित चाक और मिट्टी गूंथने की मशीनों का वितरण किया जाएगा, इससे उत्पादन और गुणवत्ता बढ़ेगी। इस वर्ष माटी कला के 100 प्रशिक्षक तैयार करने का लक्ष्य है। इसके लिए राज्य से बाहर विभिन्न स्थानों पर विशेष ट्रेनिंग दिलवाई जाएगी। पिछले वर्ष 25 लोगों को उत्तर प्रदेश के खुर्जा से प्रशिक्षण दिलवाया गया है। प्रेस वार्ता के बाद श्रीयादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक, उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त नीलाभ सक्सेना ने उद्योग भवन परिसर में परिण्डे लगाए और प्रदेशवासियों से भी परिण्डे लगाने का आह्वान किया।

अरुणाचल प्रदेश सरकार ने सभी अस्पतालों को 'तंबाकू मुक्त क्षेत्र' घोषित किया

इटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश सरकार ने राज्य भर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों को 19 मई से पूर्ण रूप से तंबाकू मुक्त क्षेत्र घोषित कर दिया है। राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आयुक्त पवन कुमार सैन द्वारा बृहस्पतिवार को 'सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम' (कोटपा), 2003 के तहत यह निर्देश जारी किया गया। यह आदेश पूर्वोत्तर राज्य के सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य केंद्रों पर लागू होगा, जिसमें जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), उप-केंद्र और मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। आदेश के अनुसार, अस्पताल परिसरों के भीतर धूम्रपान, गुटखा, पान मसाला और चबाने वाले तंबाकू सहित सभी प्रकार के तंबाकू उत्पादों के सेवन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह प्रतिबंध अस्पताल की इमारतों, वार्ड, कार्यालयों, गलियारों, पार्किंग क्षेत्रों, बगीचों और कैंटीनों पर लागू होगा। विभाग ने स्वास्थ्य संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री और वितरण पर रोक लगाने वाले 'कोटपा' के प्रावधान को भी दोहराया है।

चौथी बार विधायक बने रंजीत कुमार दास को असम विधानसभा का अध्यक्ष निर्विरोध चुना गया

गुवाहाटी/भाषा। असम में चौथी बार विधायक निर्वाचित हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य रंजीत कुमार दास को बृहस्पतिवार को राज्य की 16वीं विधानसभा का अध्यक्ष निर्विरोध चुन लिया गया। अस्थायी अध्यक्ष चंद्र मोहन पटवारी ने घोषणा की कि दास के पक्ष में तीन प्रस्ताव थे और उनके खिलाफ कोई प्रत्याशी नहीं था। उन्होंने कहा, ''कोई अन्य नामांकन नहीं हुआ, इसलिए मैं रंजीत कुमार दास को राज्य की 16वीं विधानसभा का अध्यक्ष घोषित करता हूं।'' राज्य विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में दास का यह दूसरा कार्यकाल है। साल 2016 में जब भाजपा ने इस पूर्वोत्तर राज्य में अपनी पहली सरकार बनाई थी, तब वह सदन के अध्यक्ष थे। भवानीपुर-सोरभोग सीट से विधायक दास, 2021 से 2026 तक मुख्यमंत्री के तौर पर हिमंत विश्व शर्मा के पहले कार्यकाल में कैबिनेट मंत्री रहे। उन्होंने पार्टी की असम इकाई के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया। दास 2011 से लगातार चार बार असम विधानसभा के सदस्य चुने गए हैं।

पटना उच्च न्यायालय ने सहरसा मध्याह्न भोजन मामले में जांच प्रक्रिया पर उठाए सवाल

पटना/भाषा। बिहार के सहरसा जिले के एक सरकारी स्कूल में मध्याह्न भोजन खाने के बाद 189 बच्चों के बीमार पड़ने के मामले में पटना उच्च न्यायालय ने भोजन की थालियों में ''छोटे सांप'' मिलने की रिपोर्ट पर गंभीर चिंता जताई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

इस मामले से जुड़ी एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति राजीव रंजन प्रसाद और न्यायमूर्ति मोहित कुमार शाह की खंडपीठ ने नमूनों के संग्रह और जांच प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं पर भी सवाल उठाए।

सहरसा जिले के बलुआहा और चंद्रयान गांवों के स्कूलों में सात मई को पीएम पोषण योजना के तहत परोसे गए भोजन को खाने के बाद बच्चे बीमार पड़ गए थे।

अदालत ने 19 मई के आदेश में फॉरेंसिक निरीक्षण रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि बलुआहा गांव के एक सरकारी माध्यमिक विद्यालय में भोजन की थालियों से ''छोटे सांप'' बरामद किए जाने का उल्लेख किया गया है।

अदालत ने सहरसा के पुलिस अधीक्षक, खाद्य सुरक्षा अधिकारी और पीएम पोषण योजना के अधिकारियों को शपथपत्र दाखिल कर जब्ती, नमूना संग्रह और प्रयोगशाला परीक्षण की प्रक्रिया स्पष्ट करने का निर्देश दिया।

ओडिशा: मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने के बदले रिश्वत लेने के आरोप में स्वास्थ्य कर्मी गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सतर्कता विभाग ने मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने के बदले कथित तौर पर एक हजार रुपए की रिश्वत लेने के मामले में बृहस्पतिवार को एक स्वास्थ्यकर्मी को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि खुर्दा जिले के हलाडिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य कार्यकर्ता बिभूति भूषण साहू को रंगे हाथ पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने दावा किया था कि स्वास्थ्यकर्मी ने उसके माता-पिता का मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने के बदले में एक हजार रुपए बतौर रिश्वत की मांग की थी। एक अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर ओडिशा के सतर्कता विभाग के अधिकारियों की एक टीम ने जाल बिछाया और स्वास्थ्यकर्मी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

चक्का फेंक खिलाड़ी बनवीर पर सात साल का प्रतिबंध, हरेंद्र दूसरी बार चार साल के लिए निलंबित

नई दिल्ली/भाषा। चक्का फेंक खिलाड़ी बनवीर सिंह को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अपील पैनल (एडीएपी) ने डोप परीक्षण में विफल होने के कारण सात साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। यह सजा अनुशासनात्मक समिति द्वारा दी गई सजा से दो साल अधिक है। पिछले साल नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासन समिति (एडीडीपी) ने बनवीर को स्टेरॉयड मेथैंडिएनोन के लिए पॉजिटिव पाए जाने पर 23 दिसंबर 2024 से पांच साल के लिए निलंबित कर दिया था। वह 12 महीनों के भीतर तीन बार अपनी रहने के स्थान संबंधी जानकारी देने में नाकाम रहने के कारण इस साल 22 दिसंबर तक दो साल का निलंबन भी झेल रहे हैं।

एडीएपी ने ताजा अपडेट में प्रतिबंध की अवधि बढ़ा दी है। नाडा ने एडीएपी के सजा बढ़ाने के फैसले के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। सैंतीस साल की उम्र में बनवीर डोपिंग के लिए निलंबित होने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों में से एक हो सकते हैं। वर्ष 2022 में भुवनेश्वर में इंडियन ग्रां प्री में दूसरे स्थान पर रहने के अलावा बनवीर अपने करियर में कभी शीर्ष तीन में नहीं रहे हैं। इसके अलावा लंबी दूरी के धावक हरेंद्र कुमार को इस साल दो अगस्त से चार साल के लिए एक बार फिर निलंबित किया गया है। उन्हें इससे पहले एडीडीपी द्वारा तीन अगस्त 2022 से चार साल के लिए प्रतिबंधित किया गया था जब वह प्रतिबंधित पदार्थ डार्बेपोएटिन के लिए पॉजिटिव पाए गए थे।

'प. बंगाल में गंगा के प्रदूषण स्तर में उल्लेखनीय सुधार नजर आया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गंगा नदी के समुद्र में गिरने से पहले उसके मुख्य प्रवाह मार्ग के अंतिम राज्य पश्चिम बंगाल में पिछली राज्यों से अपशिष्ट और औद्योगिक भार बढ़ने के बाद भी उसके प्रदूषण के स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। नमामि गंगे परियोजना में यह दावा किया गया है। स्वच्छ गंगा राष्ट्रीय मिशन (एनएमसीजी) ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि पश्चिम बंगाल में नदी का अंतिम भाग हिमालय से घनी आबादी वाले गंगा बेसिन से होकर बहने वाली हर चीज को अपने साथ लाता है। नमामि गंगा ने कहा, ''गंगा का आखिरी हिस्सा सब कुछ अपने साथ लाता है। पश्चिम बंगाल पहुंचते-पहुंचते, यह हिमालय से लेकर ऊपर के सभी राज्यों, सभी शहरों, सभी नालों का संयुक्त भार वहन कर रही होती है।'' उसने कहा, ''और यही वह हिस्सा है जिसमें सबसे अधिक सुधार हुआ है।''

मिशन ने पिछले सात वर्षों में जल गुणवत्ता में आए बदलाव को रेखांकित करने के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के प्रदूषित नदी क्षेत्रों (पीआरएस) के आकलन का हवाला दिया। नमामि गंगे के अनुसार, पश्चिम बंगाल में त्रिवेणी से डायमंड हार्बर तक फैले नदी क्षेत्र को 2018 में 'प्राथमिकता तृतीय' प्रदूषित क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया गया था। सीपीसीबी के 2025 के आकलन में, यह क्षेत्र बहरामपुर से डायमंड हार्बर तक स्थानांतरित हो गया है और अब इसे 'प्राथमिकता पंचम' श्रेणी में रखा गया।

मिशन ने कहा कि हालांकि नवीनतम आकलन में प्रदूषित क्षेत्र भौगोलिक रूप से लंबा दिखाई देता है, लेकिन वास्तविक प्रदूषण भार में काफी कमी आई है। उसमें कहा गया है, ''जब तक आप इसे ध्यान से नहीं पढ़ते, तब तक यह बात विरोधाभासी लगती है: मानचित्र पर एक लंबी रेखा नजर आती है, लेकिन पानी में प्रदूषण काफ़ी कम है।'' इस मिशन ने परिवर्तन का श्रेय पश्चिम बंगाल में नमामि गंगा कार्यक्रम के तहत अब तक स्वीकृत 5,028 करोड़ रुपए की 34 मलजल-अवसंरचना परियोजनाओं को दिया, जिनकी कुल क्षमता 816 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रति दिन) है। नमामि गंगे ने कहा कि बुनियादी ढांचे का निर्माण हुगली क्षेत्र के आसपास केंद्रित है।

मणिपुर में यूएनएलएफ (पी) के चार उग्रवादी गिरफ्तार, 60 से अधिक हथियार बरामद

इंफाल/भाषा। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में प्रतिबंधित संगठन यूएनएलएफ (पाम्बेई) के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनके पास से असॉल्ट राइफल और आरपीजी लॉन्चर सहित 60 से अधिक हथियार बरामद किए।

पुलिस अधीक्षक शिवकांत सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पुलिस को बुधवार को खुफिया सूचना मिली थी कि सुरक्षा बलों से लूटे गए हथियारों को बिक्री के लिए लामदेंग क्षेत्र में लाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर मणिपुर पुलिस की विशेष टीम ने लामदेंग स्थित यूएनएलएफ (पी) के एक शिविर की घेराबंदी कर तलाश अभियान चलाया, जिस दौरान दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। सिंह ने बताया, ''अभियान के दौरान एके शृंखला की राइफल, एम-शृंखला की राइफल, पिस्तौल और गोला-बारूद सहित 29 हथियार बरामद किए गए।'' अभियान के दौरान गिरफ्तार आरोपियों के सहयोगियों ने पुलिस दल पर गोलीबारी की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। बाद में संगठन के दो अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

झारखंड: रांची में 27 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड की डीजीपी तदाशा मिश्रा की उपस्थिति में बृहस्पतिवार को यहां पुलिस के समक्ष कुल 27 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया और इन नक्सलियों का पूर्ण समर्थन के साथ पुनर्वास किया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) से जुड़े उग्रवादियों ने झारखंड पुलिस, झारखंड जगुआर और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) सहित अन्य इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष हथियार डाल दिए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, विभिन्न मामलों में वांछित 27 माओवादियों ने 'ऑपरेशन नवजीवन' के तहत पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। 2026 में कुल 22 माओवादी मारे गए, 44 गिरफ्तार किए गए और 29 ने आत्मसमर्पण किया। हम शेष बचे कुछ माओवादियों से मुख्यधारा में लौटने की अपील करते हैं।

मिश्रा ने कहा कि राज्य में उग्रवाद को खत्म करने के लिए सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार को आत्मसमर्पण करने वाले 27 माओवादियों का पुनर्वास किया जाएगा। सीआरपीएफ के आईजी साकेत सिंह ने कहा, जिन्होंने आत्मसमर्पण नहीं किया है, हम उन लोगों से अपील करते हैं कि वे हिंसा का मार्ग त्यागकर मुख्यधारा में आ जाएं।

कॉकरोच जनता पार्टी के 'एक्स' हैंडल पर रोक, नया अकाउंट शुरू किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पिछले सप्ताह अस्तित्व में आई और सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फॉलोअर के साथ खबरों में छा गई 'कॉकरोच जनता पार्टी' के 'एक्स' अकाउंट पर बृहस्पतिवार को रोक लगा दी गई। हालांकि इस पर रोक के कुछ ही देर बाद 'कॉकरोच इज बैक' नाम से एक और हैंडल बना दिया गया। इसके संस्थापक अभिजीत दीपके ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''इस बात की उम्मीद पहले से थी क्योंकि कल से हमारे अकाउंट को हैक करने की कोशिशें चल रही थीं। लेकिन सरकार का दाव उलटा पड़ गया है।''

'कॉकरोच इज बैक' एक्स हैंडल शुरू होने के करीब एक घंटे से कुछ देर बाद अपराह्न 3.40 बजे इसके फॉलोअर की संख्या 16,800 थी। दीपके के अनुसार कॉकरोच जनता पार्टी के 'एक्स' पर 2,01,000 फॉलोअर थे। यह पार्टी भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की इस टिप्पणी के बाद अस्तित्व में आई जिसमें उन्होंने वरिष्ठता की मांग कर रहे एक वकील से नाराजगी जताते हुए 'परजीवी' और 'कॉकरोच' जैसे शब्दों का

इस्तेमाल किया। प्रधान न्यायाधीश ने बाद में स्पष्टीकरण दिया था कि उनके बयान का गलत अर्थ निकाला गया है और उनके बयान विशेष रूप से उन लोगों पर केंद्रित थे जो 'फर्जी डिग्रियों' के माध्यम से वकालत के पेशे में प्रवेश करते हैं।

प्रधान न्यायाधीश की पहली टिप्पणी 15 मई को आई थी और एक दिन बाद 'कॉकरोच जनता पार्टी'सामने आई। यह तुरंत सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिसे नेताओं, कार्यकर्ताओं, कलाकारों और बड़ी संख्या में युवाओं का समर्थन मिलने लगा। बृहस्पतिवार को इसका 'एक्स' अकाउंट भारत में बंद हो गया, वहीं इसका इंस्टाग्राम पेज करीब 1.43 करोड़ फॉलोअर के साथ सक्रिय है और फॉलोअर की संख्या समय के साथ बढ़ती जा रही है।

बंगाल में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 500 कंपनियों की तैनाती 20 जून तक बढ़ायी गई

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सरकार के अनुरोध पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की 500 कंपनियों की तैनाती चुनाव बाद कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 20 जून तक बढाने का फैसला किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

गृह मंत्रालय ने आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि प. बंगाल सरकार ने केंद्रीय बलों की तैनाती चुनाव के बाद अक्टूबर के अंत तक बढ़ाने का अनुरोध किया था। मंत्रालय ने कहा, ''प. बंगाल सरकार के अनुरोध पर विचार किया गया है।'' पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि सीएपीएफ की 500 कंपनियां 20 जून तक राज्य में तैनात रहेंगी। इनमें सीआरपीएफ की 200, बीएसएफ की 150 और सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी की 50-50 कंपनियां शामिल हैं। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विधानसभा चुनाव के बाद संवेदनशील क्षेत्रों में कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की मदद के लिए इन बलों को रखा गया है।

पश्चिम बंगाल के सभी मदरसों में 'वंदे मातरम्' गाना अनिवार्य, सरकार का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के सभी मदरसों में प्रार्थना सभा के दौरान 'वंदे मातरम्' का गायन तत्काल प्रभाव से अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में एक आधिकारिक आदेश जारी किया गया है।

मदरसा शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि यह निर्देश सरकार के मॉडल मदरसों, सरकारी सहायता प्राप्त मदरसों, अनुमोदित शिशु शिक्षा केंद्रों, माध्यमिक शिक्षा केंद्रों तथा अल्पसंख्यक मामलों एवं मदरसा शिक्षा विभाग के तहत आने वाले मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त मदरसों पर भी लागू होगा।

अधिसूचना में कहा गया है, ''कक्षाओं की शुरुआत से पहले प्रार्थना सभा के दौरान 'वंदे मातरम्' का गायन अनिवार्य किया जाता है।''

विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह निर्णय सभी संस्थानों में प्रार्थना सभा की प्रक्रियाओं में ''एकरूपता'' लाने के उद्देश्य से लिया गया है। उन्होंने कहा, ''यह आदेश सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद जारी किया गया है और इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना है।''

यह अधिसूचना सभी जिलाधिकारियों, जिला स्कूल निरीक्षकों, पश्चिम बंगाल मदरसा शिक्षा बोर्ड तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह राज्य सरकार ने सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में भी सुबह की प्रार्थना सभा में 'वंदे मातरम्' का गायन अनिवार्य करने का निर्देश दिया था।

इस कदम को लेकर निर्देश में कहा गया है कि प्रत्येक छात्र को विद्यालय में दिन की शुरुआत में राष्ट्रगीत के गायन में भाग लेना होगा और संस्थान प्रमुखों को इसका सख्ती से पालन कराने को कहा गया है।

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी कानून में होगा संशोधन, मंत्रालय ने 'सप्लायर्स' को पांच साल की जेल का सुझाव रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी और वितरण को अपराध की श्रेणी में लाने के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी कानून में फिर बदलाव किया जायेगा और इसके तहत 'सप्लायर्स' को पांच साल तक की जेल भी हो सकती है । इसके अलावा खिलाड़ियों को जान बूझकर प्रतिबंधित दवायें लिखने वाले डॉक्टरों को भी नहीं बख्शा जायेगा ।

जनता से प्रतिक्रिया के लिए ये संशोधन खेल मंत्रालय की वेबसाइट पर डाले गए हैं और सुझाव देने की आखिरी तारीख 18 जून है । खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह संशोधित विधेयक सुझावों पर गौर करने के बाद बिना किसी देरी के संसद के अगले सत्र में लाया जायेगा । संशोधन के अनुसार ,'' खिलाड़ी को डोपिंग के उद्देश्य से या उसके संबंध में कोई प्रतिबंधित पदार्थ देता है तो उसे पांच साल तक कारावास या दो लाख रुपए तक जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है ।'' मांडविया ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वर्तमान में डोपिंग उल्लंघन में खिलाड़ियों को सजा, अयोग्य करार देना या पदक वापिस लेने तक ही सीमित है लेकिन अब प्रतिबंधित पदार्थो की संगठित आपूर्ति को अपराध घोषित करना जरूरी है । उन्होंने कहा ,''डोपिंग अब सिर्फ खेलों से जुड़ा एक उल्लंघन नहीं है बल्कि यह खिलाड़ियों का शोषण करने वाला एक संगठित इकोसिस्टम बन चुका है । सरकार का उद्देश्य खिलाड़ियों की सुरक्षा करना और डोपिंग से लाभ कमाने वाले आपराधिक नेटवर्क को समाप्त करना है ।'' मांडविया ने कहा ,'' हम डोपिंग करने वालों को सजा देते हैं लेकिन प्रतिबंधित दवाओं की आपूर्ति करने वालों को भी निशाना बनाया जाना चाहिए । वह कोच हो, मैनेजर, खिलाड़ी या ऐसा कोई भी जिसकी खिलाड़ी तक सीधे पहुंच है । अगर ये संशोधन हो जाता है तो इस आपूर्ति शृंखला का हिस्सा पाये जाने वाले सभी अपराधी की श्रेणी में आयेंगे ।'' विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की वैश्विक डोपिंग रोधी खुफिया और जांच नेटवर्क की दिल्ली में हुई अंतिम कांफ्रेंस में डोपिंग को अपराध घोषित करने पर मुख्य रूप से चर्चा हुई।

नियम के तहत बंगाल में पकड़े गए बांग्लादेशी घुसपैठियों को बीएसएफ को सौंपा जाएगा : शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में पकड़े गए बांग्लादेशी घुसपैठियों को अदालतों में पेश करने के बजाय बीएसएफ को सौंप दिया जाएगा। यह नियम एक दिन पहले लागू हुआ है।

शुभेंदु ने हावड़ा जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में प्रशासनिक समीक्षा बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि इस संबंध में पुलिस आयुक्त और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा, कल से नया नियम लागू हो गया है, जिसके तहत घुसपैठियों को अदालतों में नहीं भेजा जाएगा, बल्कि बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ को सौंप दिया जाएगा। बुधवार को मुख्यमंत्री ने एक ऐसी व्यवस्था लागू करने की घोषणा की जिसके तहत राज्य पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए घुसपैठियों को निर्वासन के लिए सीधे सीमा सुरक्षा बल को सौंप दिया जाएगा।

उन्होंने इसे व्यापक पता लगाओ, हटाओ और निर्वासित करो ढांचे का हिस्सा बताया। मुख्यमंत्री ने उस अधिनियम का नाम नहीं बताया जिसके दायरे में बंगाल की नव निर्वाचित भाजपा सरकार ने घुसपैठियों पर मुकदमा चलाने के लिए यह नीतिगत बदलाव किया है। हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकारी पिछले वर्ष अप्रैल में संसद द्वारा पारित आव्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 का जिक्र कर रहे थे।

अभिषेक बनर्जी को 31 जुलाई तक दंडात्मक कार्रवाई से राहत

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी को पिछले महीने एक जनसभा में दिए गए उनके बयानों को लेकर दर्ज प्राथमिकी में 31 जुलाई तक दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण प्रदान किया। न्यायालय ने यह भी सवाल उठाया कि क्या किसी सांसद के लिए इस तरह के अनुचित बयान देना सही है।

न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी को जांच में सहयोग करने और जांच अधिकारी द्वारा पेश होने के लिए भेजे गए नोटिस का अनुपालन करने का निर्देश दिया। अदालत ने उन्हें न्यायालय की अनुमति के बिना विदेश यात्रा न करने का भी निर्देश दिया। न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने निर्देश दिया कि यदि याचिकाकर्ता जांच एजेंसी के साथ सहयोग नहीं करता है, तो एजेंसी को इस न्यायालय में आने की स्वतंत्रता होगी।

वरुण टीम के लिए योगदान देने के लिए दर्द के बावजूद खेल रहे हैं : शेन वॉटसन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सहायक कोच शेन वॉटसन ने भारत के 'मिस्ट्री' स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की तारीफ की जो अपने बाएं पैर में हेयरलाइन फ्रेक्चर होने के बावजूद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार खेल रहे हैं।

वॉटसन ने कहा कि चक्रवर्ती आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए केकेआर की मुहिम योगदान देने के लिए बेताब हैं।

चक्रवर्ती को आठ मई को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ केकेआर के मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय चोट लगी थी। इस कारण वह 13 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के खिलाफ अगला मैच नहीं खेल पाए थे जिसके बाद मुख्य कोच अभिषेक नायर ने उनके फ्रेक्चर की पुष्टि की थी। लेकिन आरसीबी से हार के बाद केकेआर को बाकी मैच जीतने की जरूरत थी इसलिए चक्रवर्ती पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद गुजरात टाइटन्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ लगातार मैचों में खेलने के लिए वापस आ गए।

वॉटसन ने बुधवार को यहां मुंबई इंडियंस पर मिली चार विकेट की जीत के बाद कहा, '' मुझे ठीक-ठीक नहीं पता कि वह इस समय रिहैब के किस दौर में हैं। मुझे बस इतना पता है कि वह इस समय थोड़े दर्द के साथ खेल रहे हैं, जिससे पता चलता है कि वह कितने बहादुर हैं, वह केकेआर के लिए योगदान देने के लिए कितने आतुर हैं और वह अभी भी शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं। '' मार्च में टी20 विश्व कप जीतने के बाद से भारत की टी20 स्पिन गेंदबाजी के मुख्य खिलाड़ी चक्रवर्ती का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। अपने पहले तीन आईपीएल मैचों में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला और उन्होंने 105 रन लुटा दिए। इस खराब प्रदर्शन ने केकेआर के अभियान को शुरुआत में ही काफी नुकसान पहुंचाया। लेकिन टूर्नामेंट के आखिरी दौर में चक्रवर्ती ने अपनी लय वापस पा ली। फिर उन्होंने चार मैचों में 10 विकेट लेकर टीम की वापसी में अहम भूमिका निभाई।

एआई कोचिंग प्लेटफॉर्म काबुनी से जुड़े डिविलियर्स

नई दिल्ली/भाषा। एआई संचालित खेल तकनीक प्लेटफॉर्म काबुनी ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेट कप्तान एबी डिविलियर्स को बृहस्पतिवार को 'सुपर कोच' नियुक्त किया । भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला शेन वाटस्न पहले ही इसके सुपर कोच बनाये जा चुके हैं । काबुनी ने एक बयान में कहा ,'' यह सहयोग काबुनी की अत्याधुनिक तकनीक और एबी डिविलियर्स की क्रिकेट की गहरी समझ को एक साथ लाता है, जिससे उभरते हुए क्रिकेटरों के लिए डेटा-आधारित जानकारियों और वास्तविक दुनिया के अनुभव का एक मजबूत मेल तैयार होता है।'' भारत में 12 से 16 वर्ष के प्रशंसकों के पास जून में होने वाले नए टूर्नामेंट के जरिये काबुनी तकनीक का इस्तेमाल करके डिविलियर्स की टीम की ओर से खेलने का मौका होगा । काबुनी का प्लेटफॉर्म पारंपरिक नेट प्रैक्टिस को बदलने के लिए तैयार किया गया है। यह खिलाड़ियों की हलचल और गेंद की गति को असल समय में पकड़ता है और इसे आसान, काम आने वाले फीडबैक में बदल देता है। अपने अनोखे एक प्रतिशत सुधार के तरीके के साथ यह सिस्टम छोटे और तुरंत किए जाने वाले सुधारों पर ध्यान देता है, जिनसे समय के साथ प्रदर्शन में काफी सुधार होता है।''

सुविचार

दुनिया का सबसे खूबसूरत पौधा 'विश्वास' का होता है, जो जमीन पर नहीं, दिलों में उगता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मोदी की टॉफी से इनका मुंह कड़वा क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की अपनी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी को टॉफी का एक पैकेट क्या भेंट कर दिया, भारत में कुछ लोगों के मुंह में कड़वाहट घुल गई। यह कड़वाहट उनके शब्दों के जरिए बाहर निकल रही है। उनकी शिकायत है कि 'प्रधानमंत्री ने टॉफी के उस ब्रांड का प्रचार क्यों कर दिया, क्योंकि उनका काम किसी कंपनी को बढ़ावा देना नहीं है?' एक तरफ यह शिकायत की जाती है कि केंद्र सरकार भारतीय उद्योग-धंधों की फिक्र नहीं करती; जब प्रधानमंत्री सद्भावना के तहत किसी भारतीय ब्रांड को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पेश करते हैं तो यहां कुछ लोग हंगामा करने लगते हैं! ऐसा लगता है कि उन्होंने हर परिस्थिति में शिकायत करने और असंतुष्ट रहने की कोई गुप्त प्रतिज्ञा कर रखी है। भारत में दुर्भाग्य से एक ऐसी विचारधारा गहराई तक जड़ जमा चुकी है, जो हमेशा उद्योग-धंधों का विरोध करने में ही बड़प्पन महसूस करती है। वह बेरोजगारी का मुद्दा तो उठाती है, लेकिन इसका निवारण कैसे हो, इसके लिए उसके पास कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। अगर कोई व्यक्ति अपनी पूंजी, परिश्रम और प्रतिभा से उद्योग लगाता है तो उसकी नजरों में वह सबसे बड़ा शोषक होता है। उसे कोसना, आड़े हाथों लेना, हर समस्या के लिए उसे ही जिम्मेदार ठहरा देना ... ये उस विचारधारा के मूल तत्त्व हैं। जब ऐसी सोच हावी रहेगी तो रोजगार के अवसर कैसे पैदा होंगे? क्या गरीबी कोई उपलब्धि है, जिस पर हमें गर्व करना चाहिए? गरीबी अपने साथ कई समस्याएं लाती है। नेताओं को इसमें वोटबैंक ढूंढ़ने के बजाय लोगों का जीवन स्तर बेहतर बनाने के लिए काम करना चाहिए।

प्रधानमंत्री के कई कार्यों में से एक कार्य यह भी है कि वे देश के उद्योग-धंधों को बढ़ावा दें। इसके अनेक तरीके हो सकते हैं। जब प्रधानमंत्री खादी के वस्त्र पहनकर लोगों से खादी खरीदने की अपील करते हैं तो इसका फायदा लाखों परिवारों को मिलता है। जब प्रधानमंत्री लक्षद्वीप में समुद्र तट पर कुछ कदम चलते हैं तो वहां पर्यटन की नई लहर पैदा हो जाती है। जब प्रधानमंत्री केदारनाथ धाम जाकर एक गुफा में ध्यान लगाते हैं तो आध्यात्मिक चिंतन से जुड़ी नई व्यवस्था आकार ले लेती है। कुछ लोग इसे समय की बर्बादी, दिखावेबाजी और पब्लिसिटी स्टंट कहकर अपनी भड़ास निकाल सकते हैं, लेकिन यह न भूलें कि इन गतिविधियों के केंद्र में देश का आम नागरिक है। अगर प्रधानमंत्री से प्रेरित होकर एक लाख लोग भी किसी चीज को खरीदेंगे तो उस धन से हजारों परिवारों को सहारा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान एक दुकान से झालमुड़ी खाई थी। उसके बाद कुछ लोग सोशल मीडिया पर यह कहते नजर आए थे, 'प्रधानमंत्री का यह काम होता है क्या? उन्हें लोगों को रोजगार देने के लिए काम करना चाहिए?' उस दिन से लेकर आज तक झालमुड़ी खूब चर्चा में है। लोग झालमुड़ी खा रहे हैं, खिला रहे हैं। विदेशी पर्यटक भी इसका स्वाद चख रहे हैं। क्या इससे झालमुड़ी बेचने वाले हजारों लोगों की कमाई नहीं बढ़ी? प्रधानमंत्री भारत के खानपान को पहचान दिला रहे हैं। क्या यह आनंद का विषय नहीं है? पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की कोशिशों से देश में एक कंपनी शुरू हुई थी, जिसकी घड़ियां बहुत मशहूर थीं। बाद में सरकारों ने उसकी ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया और वह भारी घाटे में चली गई। उसका संचालन अवरुद्ध हुआ और वह वापसी नहीं कर पाई। अगर पिछली सरकारों के प्रधानमंत्री और सभी मंत्री उस कंपनी की घड़ियों का प्रचार करते तो आज वह अंतरराष्ट्रीय ब्रांड होती। उससे देश को हर साल अरबों डॉलर मिलते। स्वदेशी उत्पाद हमारी अर्थव्यवस्था के प्राण होते हैं। उनकी स्थिति मजबूत बनाएं। स्वदेशी से ही देश की उन्नति होगी। इसमें राजनीतिक मतभेदों को बाधा न बनने दें।

ट्वीटर टॉक

हमारी मातृभूमि आध्यात्मिक साधना और पूजा के साथ-साथ साहस, शक्ति और सबकी भलाई की पवित्र भूमि रही है। महान विरासत और प्राचीन संस्कृति से समृद्ध यह पवित्र धरती हमेशा सभी को खुशियों और समृद्धि से भर देयही हमारी दिली इच्छा है।

-नरेन्द्र मोदी

लाल आतंक का अंत, विकास के एक नए युग की शुरुआत! सुरक्षा बलों के लगातार हमलों और मोदी सरकार की कोशिशों ने नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंका है।अब, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और बुनियादी सुविधाएं बस्तर के दूर-दराज के इलाकों तक भी पहुंच रही हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

अपनी पत्नी उषा के साथ, श्री जगनमोहन रंगनाथस्वामी के मंदिर के रेनोवेशन और बड़े अभिषेक समारोह में शामिल हुआ, जिसमें श्री भू-नीला-रंगनायकी भी थे, जो चामराजनगर जिले के कोल्लेगल तालुक के मध्यरंगा इलाके के श्रीवरपुरम में हो रहा था।

-डीके शिवकुमार

प्रेरक प्रसंग

ज्ञान का दीपक

सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक बार विश्वविद्यालय में कक्षा ले रहे थे। एक छात्र ने साहस करके पूछा, 'सर, दर्शन पढ़ने से जीवन में क्या बदलेगा? पेट तो इससे नहीं भरता।' कक्षा में सन्नाटा छा गया। राधाकृष्णन कुछ क्षण मौन रहे, फिर बोले, 'तुम सही कह रहे होज्ञान पेट नहीं भरता।' छात्र के चेहरे पर हल्की मुस्कान आई। तभी वे आगे बोले, 'पर याद रखो, पेट भरने के लिए काम चाहिए, और सही काम चुनने के लिए विवेक। दर्शन वही विवेक देता है।' फिर उन्होंने मेज़ पर रखी दीपक की लौ की ओर संकेत किया और कहा, 'दीपक भोजन नहीं बनाता, पर बिना उसके रसोई अंधेरे में रहती है। ज्ञान दीपक हैवह जीवन का बोझ नहीं उठाता, पर दिशा अवश्य देता है।' छात्र की आंखें झुक गईं। उस दिन उसने समझा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोज़ी नहीं, बल्कि सही रास्ता चुनने की क्षमता देना है। जिसके भीतर विवेक का प्रकाश जलता है, वह साधारण परिस्थितियों में भी असाधारण जीवन गढ़ लेता है।

सामयिक

नौतपा और भारतीय जीवन दर्शन

महेन्द्र तिवारी

भारतीय उपमहाद्वीप की जलवायु विश्व की सबसे विविध और जटिल जलवायु प्रणालियों में गिनी जाती है। यहाँ ऋतुओं का परिवर्तन केवल मौसम का बदलाव नहीं होता, बल्कि यह कृषि, अर्थव्यवस्था, समाज और मानव जीवन की गति को भी निर्धारित करता है। ग्रीष्म ऋतु के अंतिम चरण में उत्तर और मध्य भारत जिस भीषण गर्मी का सामना करते हैं, उसे लोक परंपरा में नौतपा कहा जाता है। यह वह समय होता है जब सूर्य की तपिश अपने चरम पर पहुँच जाती है और धरती का बड़ा भाग भट्टी की तरह तपने लगता है। वर्ष 2026 में नौतपा 25 मई से 2 जून तक रहने वाला है। इन 9 दिनों को भारतीय मौसम चक्र का सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण दौर माना जाता है, क्योंकि इस समय तापमान कई क्षेत्रों में 45 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है और वातावरण में ऐसी गर्मी भर जाती है जो सामान्य जीवन को बुरी तरह प्रभावित कर देती है।

नौतपा केवल एक लोक मान्यता नहीं है, बल्कि इसके पीछे स्पष्ट वैज्ञानिक और भौगोलिक कारण मौजूद हैं। पृथ्वी सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करती है और मई के अंतिम सप्ताह तक सूर्य की स्थिति कर्क रेखा के समीप पहुँच जाती है। कर्क रेखा भारत के मध्य भाग से होकर गुजरती है, इसलिए इस समय सूर्य की किरणें भारतीय भूभाग पर लगभग सीधी पड़ती हैं। जब सूर्य की किरणें सीधे धरती पर गिरती हैं तो उनकी ऊर्जा कम क्षेत्र में केंद्रित हो जाती है और तापमान तेजी से बढ़ता है। इसके विपरीत तिरछी किरणें बड़े क्षेत्र में फैल जाती हैं, जिससे गर्मी की तीव्रता कम हो जाती है। यही कारण है कि मई और जून के बीच उत्तर भारत की धरती अत्यधिक गर्म हो जाती है। भारतीय मौसम विभाग ने वर्ष 2026 के लिए कई राज्यों में सामान्य से अधिक गर्मी और लू की संभावना व्यक्त की है। राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के अनेक क्षेत्रों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुँचने की आशंका जताई गई है। कुछ मरुस्थलीय इलाकों में यह आँकड़ा 48 डिग्री सेल्सियस के पार भी जा सकता है।

नौतपा के दिनों में केवल दिन ही गर्म नहीं होते, बल्कि रातें भी असहनीय हो जाती हैं। मई और जून के इस दौर में दिन लगभग 13 से 14 घंटे लंबे हो जाते हैं। इतने लंबे समय तक सूर्य की किरणें लगातार धरती को गर्म करती रहती हैं। मिट्टी, चट्टानें, सड़कें और कंक्रीट की इमारतें दिनभर ऊष्मा को अपने भीतर सोखती रहती हैं। सूर्यास्त के बाद यही ऊष्मा धीरे धीरे वातावरण में वापस निकलती है। चूँकि रातें छोटी होती हैं, इसलिए धरती को ठंडा होने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। परिणामस्वरूप अगले दिन तापमान और अधिक बढ़ जाता है। यही संचयी प्रक्रिया नौतपा के दूसरे और तीसरे दिन के बाद गर्मी को और अधिक खतरनाक बना देती है। इस समय एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिलता है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी युक्त हवाएँ धीरे धीरे भारतीय भूभाग की ओर बढ़ने लगती हैं। जब यह नमी अत्यधिक गर्म मैदानी क्षेत्रों में पहुँचती है, तब हवा में आर्द्रता बढ़ जाती है। इसके कारण शरीर से निकलने वाला पसीना जल्दी नहीं सूखता। सामान्यतः पसीने का वाष्पीकरण शरीर को ठंडा करता है, लेकिन नमी बढ़ने पर यह प्रक्रिया बाधित हो जाती है। परिणामस्वरूप व्यक्ति को वास्तविक तापमान से कहीं अधिक गर्मी महसूस होती है। कई बार 45 डिग्री सेल्सियस का तापमान शरीर को 50 से 55 डिग्री सेल्सियस जैसा महसूस होता है। यही कारण है कि उमस भरी गर्मी शुष्क गर्मी से अधिक खतरनाक मानी जाती है।

मानव शरीर सामान्य परिस्थितियों में अपना आंतरिक तापमान लगभग 37 डिग्री सेल्सियस बनाए रखता है। जब बाहरी तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है, तब शरीर स्वयं को ठंडा रखने के लिए अधिक मात्रा में पसीना निकालता है। यदि शरीर को पर्याप्त पानी और आवश्यक लवण न मिलें, तो डिहाइड्रेशन की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इससे चक्कर आना, कमजोरी, सिरदर्द, मांसपेशियों में ऐंठन और रक्तचाप में असंतुलन जैसी समस्याएँ शुरू हो जाती हैं। अधिक गंभीर स्थिति में व्यक्ति हीट स्ट्रोक अर्थात लू का शिकार हो सकता है। लू लगने पर शरीर का तापमान 104 डिग्री फारेनहाइट तक पहुँच सकता है, जिससे मस्तिष्क, हृदय और अन्य महत्वपूर्ण अंग प्रभावित हो सकते हैं। भारत में बढ़ती गर्मी और हीटवेव से होने वाली मृत्यु दर को लेकर कई वैज्ञानिक शोध चेतावनी दे चुके हैं कि आने वाले वर्षों में यह खतरा और बढ़ सकता है।

नौतपा के दौरान सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक का समय सबसे अधिक संवेदनशील माना जाता है। इस दौरान बिना आवश्यकता घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए। यदि बाहर जाना अनिवार्य हो, तो सिर और चेहरे को सूती कपड़े से ढकना चाहिए। हल्के रंग के ढीले सूती वस्त्र शरीर को अपेक्षाकृत ठंडा रखने में सहायता करते हैं। तेज धूप में लगातार चलने या मेहनत करने से बचना चाहिए। विशेष रूप से मजदूरों, किसानों, रिक्शा चालकों और खुले में काम करने वाले लोगों को अत्यधिक सावधानी की आवश्यकता होती है। खानपान में भी विशेष अनुशासन आवश्यक हो जाता है। केवल प्यास लगने पर पानी पीना पर्याप्त नहीं होता। शरीर को लगातार पानी की आवश्यकता होती है। थोड़े थोड़े अंतराल पर पानी पीते रहना चाहिए। ओआरएस का घोल, नींबू पानी, छाछ, बेल का शरबत, नारियल पानी और कच्चे आम का पन्ना शरीर में पानी और लवणों का संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। तरबूज, खरबूजा, खीरा और ककड़ी जैसे फल शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं। इसके विपरीत अत्यधिक मसालेदार, तला हुआ और भारी भोजन शरीर के तापमान को और बढ़ा सकता है, इसलिए ऐसे भोजन से बचना चाहिए।

नौतपा का प्रभाव समाज के सभी वर्गों पर समान नहीं पड़ता। बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएँ सबसे अधिक संवेदनशील होती हैं। बच्चों का शरीर अभी पूरी तरह विकसित नहीं होता और बुजुर्गों की शारीरिक क्षमता उम्र के साथ कमजोर हो जाती है। इसलिए उन्हें जल्दी लू लग सकती है। परिवारों को चाहिए कि वे इन सदस्यों का विशेष ध्यान रखें और पानी की कमी के किसी भी संकेत को नजरअंदाज न करें। यह समय पशु पक्षियों के लिए भी अत्यंत कठिन होता है। तालाब और छोटे जलस्रोत सूखने लगते हैं। पक्षियों और आवारा पशुओं को पानी के लिए भटकना पड़ता है। यदि लोग अपने घरों की छतों, बालकनियों और आँगनों में मिट्टी के बर्तनों में पानी रखें, तो हजारों जीवों को राहत मिल सकती है। यह केवल दया नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है।

हालाँकि नौतपा अत्यंत कष्टदायक होता है, फिर भी भारतीय मानसून के लिए इसका बहुत बड़ा महत्व है। जब उत्तर भारत की धरती अत्यधिक गर्म हो जाती है, तब वहाँ की हवा गर्म होकर ऊपर उठती है। इससे धरातल पर निम्न वायुदाब का क्षेत्र बनता है। यही निम्न दबाव दक्षिण में स्थित हिंद महासागर की ठंडी और नमी से भरी हवाओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। यही हवाएँ आगे चलकर मानसून बनती हैं। मौसम विज्ञान के अनुसार यदि नौतपा के दौरान अच्छी गर्मी पड़े, तो मानसून के मजबूत होने की संभावना बढ़ जाती है। यदि इस समय लगातार वर्षा हो जाए और पर्याप्त गर्मी न पड़े, तो मानसून कमजोर हो सकता है। इस प्रकार नौतपा केवल गर्मी का एक कठिन दौर नहीं है, बल्कि यह भारतीय प्रकृति के विशाल संतुलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह वही तपिश है जो आने वाली वर्षा की नींव रखती है। जून के पहले सप्ताह के बाद जब मानसून केरल के तट पर पहुँचता है और धीरे धीरे पूरे देश में फैलता है, तब तपती धरती को राहत मिलती है। पहली बारिश की बूँदें केवल तापमान नहीं घटातीं, बल्कि करोड़ों लोगों के मन में नई आशा और जीवन का संचार भी करती हैं। तब तक मनुष्य को वैज्ञानिक सावधानियों, अनुशासित जीवन शैली और प्रकृति के प्रति संवेदनशील व्यवहार के साथ इस कठिन समय को सुरक्षित रूप से पार करना होता है।

नजरिया

अपराधमुक्त राजनीति से ही संभव है नया भारत-विकसित भारत

ललित गर्ग

मो. 9811051133

आज आवश्यकता है कि राजनीति के अपराधीकरण के विरुद्ध राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक आंदोलन खड़ा किया जाए। इसके लिए कुछ ठोस कदम आवश्यक हैं- पहला, जिन उम्मीदवारों पर हत्या, बलात्कार, अपहरण, भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोप न्यायालय द्वारा तय हो चुके हों, उनके चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाने पर गंभीर विचार होना चाहिए। दूसरा, जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के त्वरित निपटान हेतु विशेष न्यायालयों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि वर्षों तक मुकदमे लंबित न रहें।

भारत आज एक ऐतिहासिक संक्रमण काल से गुजर रहा है। एक ओर देश विकसित भारत-2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, वैश्विक मंचों पर भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ रही है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व राजनीति और कूटनीति के केंद्र में उभर रहा है, वहीं दूसरी ओर भारतीय राजनीति में अपराध, धनबल और बाहुबल की बढ़ती पैठ लोकतंत्र की आत्मा को आहत कर रही है। यह विडंबना ही है कि जिस भारत को विश्वगुरु बनने का स्वप्न दिखाया जा रहा है, उसकी राजनीति अभी भी अपराधमुक्त नहीं हो सकी है। हाल ही में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद सामने आए आंकड़ों ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। समाचार पत्रों में प्रकाशित एडीआर (ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिपोर्ट) की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम बंगाल विधानसभा के लगभग 65 प्रतिशत विधायक आपराधिक मामलों वाले हैं, जबकि 61 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं। रिपोर्ट के अनुसार 294 विधायकों में से 190 विधायकों ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले घोषित किए हैं तथा लगभग 142 विधायकों पर गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, महिलाओं के विरुद्ध अपराध और अन्य गंभीर मामले भी शामिल हैं।

यह केवल पश्चिम बंगाल की स्थिति नहीं है। संसद और देश की अनेक विधानसभाओं की स्थिति भी इससे बहुत अलग नहीं है। पिछले कुछ वर्षों के चुनावी विश्लेषण बताते हैं कि उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना सहित अनेक राज्यों में बड़ी संख्या में ऐसे जनप्रतिनिधि चुनकर आए हैं जिन पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं। लोकतंत्र के मंदिरों में अपराध और दागी छवि वाले लोगों की बढ़ती उपस्थिति आज राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुकी है। राजनीति मूलतः लोकसेवा, नैतिक नेतृत्व और राष्ट्रनिर्माण का माध्यम मानी गई थी। महात्मा गांधी, जयप्रकाश नारायण, लाल बहादुर शास्त्री, अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं ने राजनीति को मूल्य आधारित दिशा दी। लेकिन समय के साथ राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता का स्थान धीरे-धीरे चुनावी गणित, धनबल और प्रभावशाली समूहों ने लेना शुरू कर दिया। आज कई राजनीतिक दल उम्मीदवार चयन में योग्यता, चरित्र और जनसेवा की बजाय जीतने की क्षमता को प्राथमिकता देते दिखाई देते हैं। यही कारण है कि दागी छवि वाले व्यक्तियों को भी टिकट देने में संकोच नहीं किया जाता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र की राजनीति में आने के बाद अनेक मंचों से राजनीति के अपराधीकरण पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने संसद में और सार्वजनिक मंचों पर कई बार कहा कि राजनीति को अपराधमुक्त बनाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के शीघ्र निपटान के लिए विशेष अदालतों की आवश्यकता पर बल दिया। किंतु चिंता का विषय यह है कि आज भी लगभग सभी राजनीतिक दलों की स्थिति समान दिखाई देती है। चुनाव जीतने की मजबूरी और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के कारण दल अपराधी और दागी उम्मीदवारों को टिकट देने से परहेज नहीं कर पा रहे हैं। इस स्थिति के पीछे कई कारण हैं। पहला कारण है चुनावों का अत्यधिक खर्चीला होना। आज चुनाव लड़ना सामान्य व्यक्ति की क्षमता से बाहर होता जा रहा है। बड़े संसाधनों वाले और आर्थिक रूप से प्रभावशाली लोग चुनावी प्रक्रिया में अधिक सक्रिय हो रहे हैं। दूसरा कारण है बाहुबल और प्रभाव का उपयोग। कई क्षेत्रों में आज भी राजनीतिक प्रभाव स्थापित करने के लिए शक्ति प्रदर्शन को महत्वपूर्ण माना जाता है। तीसरा कारण है न्यायिक प्रक्रिया की धीमी गति। गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों के वर्षों तक लंबित रहने के कारण आरोपी चुनाव लड़ते रहते हैं और जनप्रतिनिधि बन जाते हैं।

राजनीति में अपराधीकरण का दूसरा बड़ा पक्ष है धनबल। पश्चिम बंगाल विधानसभा के आंकड़े बताते हैं कि 61 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं। यह प्रवृत्ति पूरे देश में दिखाई देती है। संसद और विधानसभाओं में करोड़पति जनप्रतिनिधियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि क्या लोकतंत्र धीरे-धीरे सामान्य नागरिक की पहुंच से दूर होता जा रहा है? यदि राजनीति केवल धनवान और प्रभावशाली वर्गों तक सीमित हो जाएगी तो लोकतंत्र की समावेशी भावना कमजोर होगी। इन परिस्थितियों में नागरिक समाज और लोकतांत्रिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारतीय मतदाता संगठन इस दिशा में उल्लेखनीय प्रयास कर रहा है। इसके संस्थापक रिखबचंद जैन के नेतृत्व में लंबे समय से राजनीति को स्वच्छ और अपराधमुक्त बनाने की दिशा में जनजागरण अभियान चलाए जा रहे हैं। संगठन मतदाता जागरूकता, नैतिक मतदान, स्वच्छ राजनीति और जिम्मेदार नागरिकता को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। लोकतंत्र को केवल चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि मूल्य आधारित व्यवस्था मानते हुए यह संगठन समाज को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है कि मतदाता केवल जाति, धर्म, क्षेत्र या दलगत निष्ठा के आधार पर नहीं, बल्कि उम्मीदवार के चरित्र और सार्वजनिक जीवन को देखकर मतदान करें। इसी प्रकार एडीआर (ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिपोर्ट) जैसे संगठन भी चुनावी पारदर्शिता और जनप्रतिनिधियों की पृष्ठभूमि सार्वजनिक करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। इन संगठनों के कारण आज मतदाताओं को उम्मीदवारों के आपराधिक मामलों, संपत्ति और शिक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध हो रही है। यह लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग भी इस दिशा में लगातार प्रयासरत है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद राजनीतिक दलों को उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड सार्वजनिक करने के निर्देश दिए गए हैं। उम्मीदवारों को शपथपत्र में अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि, संपत्ति और देनदारियों की जानकारी देना अनिवार्य किया गया है। चुनाव आयोग लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चला रहा है। किंतु केवल औपचारिक प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। इन प्रयासों को अधिक तीव्र, व्यापक और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। आज आवश्यकता है कि राजनीति के अपराधीकरण के विरुद्ध राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक आंदोलन खड़ा किया जाए। इसके लिए कुछ ठोस कदम आवश्यक हैं- पहला, जिन उम्मीदवारों पर हत्या, बलात्कार, अपहरण, भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोप न्यायालय द्वारा तय हो चुके हों, उनके चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाने पर गंभीर विचार होना चाहिए। दूसरा, जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के त्वरित निपटान हेतु विशेष न्यायालयों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि वर्षों तक मुकदमे लंबित न रहें। तीसरा, राजनीतिक दलों को दागी उम्मीदवारों को टिकट देने पर जवाबदेह बनाया जाए। उन्हें सार्वजनिक रूप से बताना चाहिए कि स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवार उपलब्ध होने के बावजूद दागी व्यक्ति को क्यों चुना गया। चौथा, चुनावी खर्च पर कठोर नियंत्रण और पारदर्शिता लाई जाए ताकि सामान्य और योग्य नागरिक भी राजनीति में प्रवेश कर सकें। पांचवां, मतदाता जागरूकता को जनांदोलन बनाया जाए। जब तक मतदाता स्वयं दागी उम्मीदवारों को अस्वीकार नहीं करेंगे, तब तक सुधार अधूरा रहेगा। आज आवश्यकता केवल सरकारों या चुनाव आयोग के प्रयासों की नहीं है, बल्कि समाज, मतदाता संगठनों, नागरिक संस्थाओं, मीडिया और जागरूक नागरिकों के संयुक्त अभियान की है। भारतीय मतदाता संगठन जैसे प्रयास इसी दिशा में आशा की किरण हैं। इन प्रयासों को राष्ट्रीय स्वरूप देने की जरूरत है। भारत के विकसित भविष्य की आधारशिला केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि स्वच्छ राजनीति भी है। क्योंकि अपराधमुक्त राजनीति ही विकसित भारत, समृद्ध भारत और विश्वगुरु भारत की वास्तविक पहचान बन सकती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रूढ़िवादी ईरानी जनरल वाहिदी की अमेरिका के साथ बातचीत में अहम भूमिका : विशेषज्ञ

दुबई/एपी। पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच हो रही बातचीत अधर में लटकी हुई है और माना जा रहा है कि इसके पीछे रूढ़िवादी सैन्य अधिकारी अहमद वाहिदी की भूमिका है, जिन्हें देश और विदेश में कई हमलों के लिए जिम्मेदार माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी अमेरिका के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए हो रही बातचीत में ईरान के कड़े रुख के लिए जिम्मेदार हैं। ऐसा माना जाता है कि वह ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के सीधे संपर्क में रहने वाले चुनिंदा लोगों में शामिल हैं। मोजतबा 28 फरवरी को इजराइली हमलों में कथित तौर पर घायल होने के बाद से भूमिगत हैं। उक्त हमले में उनके पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु हो गई थी। युद्ध शुरू होने के बाद, ईरान में अंतिम निर्णय लेने की शक्ति किसके पास है, यह अब भी अनिश्चित है। ईरान की धर्म आधारित सत्ता के शीर्ष पदों पर बैठे लोग सत्ता के लिए होड़ कर रहे हैं। वाहिदी को आठ फरवरी के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। ईरानी मीडिया ने बृहस्पतिवार को तेहरान में पाकिस्तान के गृह मंत्री के साथ वाहिदी की मुलाकात के बारे में विरोधाभासी खबरें दीं। पाकिस्तान के गृह मंत्री अमेरिका के साथ वार्ता के संबंध में एक संदेश लेकर गए थे और उन्होंने अन्य शीर्ष ईरानी अधिकारियों से भी मुलाकात की थी।

‘लुटेरी दुल्हन’ में पूजा गौर बनीं निडर इंस्पेक्टर

मुंबई/एजेन्सी

टीवी और ओटीटी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्रा पूजा गौर जल्द ही वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में नजर आएंगी। इसमें वह सब-इंस्पेक्टर संध्या यादव के किरदार में दिखेंगी। इस सीरीज की कहानी रहस्य, क्राइम और समाज की सोच के ईद-गिर्द घूमती नजर आएगी। सीरीज में पूजा गौर का किरदार एक निडर और मजबूत पुलिस अधिकारी का है, जिसे मध्य प्रदेश में हो रही अजीब और रहस्यमयी घटनाओं की जांच की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। कहानी उन मामलों के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां दुल्हनें शादी के बाद अपने दूल्हों को लूटकर अचानक गायब हो जाती हैं। इन घटनाओं के चलते इलाके में डर का माहौल है। ऐसे में संध्या यादव इस रहस्य की सच्चाई तक पहुंचने की कोशिश करती नजर आएंगी। अपने किरदार को लेकर बात करते हुए पूजा गौर ने कहा, ''मुझे इस कहानी की सबसे खास बात इसकी भावनात्मक गहराई लगी। संध्या एक मजबूत पुलिस अफसर है, लेकिन वह अंदर से कई भावनात्मक संघर्षों से भी गुजर रही होती है। संध्या बाहर से निडर और सख्त दिखाई देती है, लेकिन भीतर ही भीतर वह समाज के फैसलों, उम्मीदों और खुद को साबित करने के दबाव से लड़ रही होती है।''

अभिनेत्री ने कहा, ''मुझे संध्या का किरदार इसलिए पसंद आया, क्योंकि वह सिर्फ एक केस सुलझाने की कोशिश नहीं करती, बल्कि वह अपनी पहचान के लिए भी लड़ रही है। समाज अक्सर महिलाओं को सीमित नजरिए से देखता है, लेकिन संध्या उन सोचों को चुनौती देती है।''पूजा गौर ने बताया, ''सीरीज में संध्या और माया के बीच का रिश्ता कहानी को और ज्यादा दिलचस्प बनाता है। दोनों किरदार कानून के अलग-अलग पक्षों में खड़े हैं, लेकिन दोनों की जिंदगी पर समाज और पितृसत्तात्मक सोच का असर पड़ा है। यही भावनात्मक टकराव इस कहानी को अलग बनाता है।''पूजा ने कहा, ''एक कलाकार के रूप में मेरे लिए ऐसा किरदार निभाना बेहद खास अनुभव रहा। संध्या महत्वाकांक्षी भी है, भावुक भी है और कई बार जिद्दी भी हो जाती है। इसके साथ ही वह दूसरों की भावनाओं को समझने वाली इंसान भी है। यही अलग-अलग भावनाएं इस किरदार को ज्यादा वास्तविक बनाती हैं।'' वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' का निर्देशन ग्लेन बैरेटो और अंकुश मोहला ने किया है। सीरीज में पूजा गोर के अलावा संविका, मनमोहन तिवारी और राजीव पांडे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।सीरीज का ट्रेलर भी हाल ही में सोशल मीडिया पर जारी किया गया। पूजा गौर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, हर गायब दुल्हन के पीछे एक नया झूठ छिपा है, और मैं उस सच के बेहद करीब पहुंच चुकी हूं। 'लुटेरी दुल्हन' 19 मई को हंगामा ओटीटी पर रिलीज होगी।

पाकिस्तान के गृहमंत्री ने की ईरानी विदेश मंत्री से भेंट, अमेरिका-ईरान वार्ता पर चर्चा की

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने बृहस्पतिवार को ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात की और अमेरिका-ईरान शांति वार्ता से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। यह भेंटवार्ता इन खबरों के बीच हुई है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ईरान की यात्रा पर जा सकते हैं।

नकवी एक सप्ताह से भी कम समय में दूसरी यात्रा पर बुधवार को तेहरान पहुंचे। युद्ध में उलझे अमेरिका और ईरान के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से उनकी यह यात्रा हो रही है।

पाकिस्तान ने दोनों संघर्षरत देशों के बीच एक समझौता कराने और क्षेत्र में युद्ध समाप्त करने के प्रयासों को तेज कर दिया है।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ‘इरना’ के अनुसार, विदेश मंत्री अराघची ने बृहस्पतिवार सुबह तेहरान में नकवी से मुलाकात की और ईरान-अमेरिका के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता पर चर्चा की।

सरकारी प्रेस टीवी के अनुसार, मुनीर बृहस्पतिवार को तेहरान का दौरा करने वाले हैं क्योंकि पाकिस्तान ईरान-अमेरिका के बीच मध्यस्थता के प्रयासों को तेज कर रहा है।

नक़वी की मौजूदा यात्रा या सेना प्रमुख की संभावित यात्रा के बारे में पाकिस्तान की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई।

एक सप्ताह के भीतर ईरान की राजधानी की अपनी दूसरी यात्रा के दौरान, नकवी ने राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, ईरान के गृह मंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से भी बातचीत की।

उत्तर बनाम दक्षिण बहस से थक चुका हूं, भाषा नहीं, कहानी और काम मायने रखता है : बोमन ईरानी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता बोमन ईरानी की फिल्म ‘पेड्डी’ सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। फिल्म को लेकर उत्साहित अभिनेता प्रमोशन में व्यस्त भी हैं। इस बीच उन्होंने साउथ बनाम उत्तर सिनेमा की बहस पर अपनी राय रखी। अभिनेता का स्पष्ट तौर पर मानना है कि हम सब भारतीय हैं और इंडस्ट्री में भाषा नहीं बल्कि कहानी और काम मायने रखता है। उन्होंने भारतीय सिनेमा जगत में लंबे समय से चली आ रही उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत की बहस पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इस बंटवारे से वह पूरी तरह थक चुके हैं और बताया कि आखिरकार हम सब एक हैं- हम सब भारतीय हैं। आईएएनएस से बातचीत के दौरान बोमन ईरानी ने बताया, सच कहूं तो, मैं अब इस उत्तर-दक्षिण भारत की बहस से ऊब चुका हूं। आखिरकार, हम सब भारतीय ही तो हैं। देश में हर 200 किलोमीटर पर भाषा बदल जाती है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि कोई किसी दूसरे को विदेशी समझे।

बोमन ने कहा, दिल्ली का रहने वाला व्यक्ति मुझसे अलग तरह की हिंदी बोलेगा लेकिन सिनेमा वही रहता है। इंसानियत वही रहती है और इस देश से प्यार करने वाले लोग भी वही हैं। आज भारतीय सिनेमा क्षेत्रीय सीमाओं से बहुत आगे निकल चुका है। अलग-अलग भाषाओं में बनी फिल्में पूरे देश के साथ ही दुनिया में भी सराही जा रही है। अपनी अपकमिंग फिल्म ‘पेड्डी’ का उदाहरण देते हुए बोमन ने कहा, हैदराबाद में बनी फिल्म का प्रचार करने के लिए लोग मुंबई आ रहे हैं। यह हमारे खूबसूरत देश का ही हिस्सा है।बोमन ईरानी ने अभिनय की गहराई पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भाषा चाहे हिंदी हो, अंग्रेजी हो या मराठी, अभिनेता को संवाद के अंदरूनी अर्थ यानी सबटेक्स्ट को समझना चाहिए। आप पहले अपनी भाषा में सोचिए, फिर उसे कहिए। दर्शकों तक भाव पहुंच जाना चाहिए। ‘मुन्ना भाई एमबीबीएस.’, ‘3 ईडियट्स’, ‘खोसला का घोषला’, ‘डॉन’ और ‘पीके’ जैसी फिल्मों में अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले बोमन ईरानी की अपकमिंग फिल्म ‘पेड्डी’ में राम चरण, जान्हवी कपूर और दिव्येंदु शर्मा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 4 जून को रिलीज होने वाली है।

ट्रंप और पुतिन की चीन यात्रा, दोनों नेताओं ने बीजिंग के साथ अपने अलग-अलग संबंधों को प्रदर्शित किया

बीजिंग/एपी। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप और रूसी नेता व्लादिमीर पुतिन के साथ हाल में हुई शिखर बैठकें काफी हद तक एक जैसी दिखीं, जिनमें तियानमेन चौराहे पर औपचारिक रुप से हाथ मिलाना, गुलदस्ते लहराते बच्चों द्वारा उत्साहपूर्ण अभिवादन करना और सैन्य टुकड़ियों का मार्च शामिल था।

इन यात्राओं से भी यह भी सामने आया कि कैसे अमेरिका और रूस के साथ चीन के रिश्ते अलग-अलग हैं। ट्रंप की यात्रा के दौरान, चीन ने अमेरिका के साथ संबंधों को स्थिर करने की कोशिश की, जबकि रूसी राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा ने रूस एवं चीन के बीच रणनीतिक साझेदारी को प्रगाढ़ करने का काम किया। शी ने ट्रंप की यात्रा के दौरान औपचारिक आतिथ्य सत्कार पर जोर दिया, जिसमें झोंगनानहाई का दौरा भी शामिल था। यह पूर्व शाही उद्यान है लेकिन अब चीन सरकार का मुख्यालय है।

‘ग्रेटर चाइना प्रैक्टिस फोर द एशिया ग्रुप’ से संबद्ध जार्ज चेन ने कहा, शी जानते हैं कि ट्रंप के लिए यही मायने रखता है। वीआईपी जैसा व्यवहार किया जाना, कैमरों के सामने सम्मान पाना।

चेन ने कहा कि पुतिन के साथ शी ने संबंधों की गहराई पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा, मैत्री संधि की पुष्टि करना, नए ऊर्जा समझौतों पर हस्ताक्षर करना और अपनी असीमित साझेदारी पर फिर से जोर देना।

अमेरिकी राष्ट्रपति तीन दिन चीन में रहे, जबकि पुतिन ने दो दिवसीय यात्रा की।

दोनों ने तियानमेन चौक के पास स्थित ‘ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल’ में शी के साथ अकेले में बैठकें भी कीं। हालांकि, ट्रंप की यात्रा में कोई सार्वजनिक समझौता-हस्ताक्षर समारोह शामिल नहीं था, पुतिन और शी की भेंटवार्ता में द्विपक्षीय समझौतों एवं समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए। ट्रंप ने ‘टेंपल ऑफ हेवन’ का व्यक्तिगत दौरा भी किया और झोंगनानहाई के शाही उद्यानों में सैर की। इसके विपरीत, पुतिन ने शी के साथ अपना अधिकांश समय ‘ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल’ के अंदर बिताया।

पिछले सप्ताह की यात्रा राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप की चीन की दूसरी यात्रा थी। पुतिन के लिए चीन की उनकी यह 25वीं यात्रा थी। दोनों शिखर सम्मेलनों के बीच मुख्य अंतर उनके संदेशों में था। ट्रंप के साथ बातचीत में शी ने दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच महीनों के तनाव और व्यापार युद्ध के बाद अपेक्षाकृत स्थिर संबंध बनाए रखने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया। पुतिन के साथ, शी ने एक दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत और प्रगाढ़ करने की कोशिश की, जो दोनों देशों के लिए रणनीतिक और आर्थिक, दोनों रूप से महत्वपूर्ण है।

अकेले रहना कमजोरी नहीं, ताकत है : रिद्धि डोगरा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रिद्धि डोगरा टेलीविजन और ओटीटी की दुनिया का जाना-माना नाम हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने बताया कि अकेले रहना कोई कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में वह लाल रंग की साड़ी पहने एक कैफे में बैठी नजर आ रही हैं। रिद्धि ने लिखा, जब आप अकेले किसी कैफे में जाकर खाना खाने, अकेले फिल्म देखने या खुद के साथ वक्त बिताने से डरना बंद कर देते हैं, तो दुनिया आपको खतरनाक समझने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि आप समाज की बनाई पुरानी सोच से अलग हटकर जीना शुरू कर देते हैं। उन्होंने आगे लिखा, जब आप खुद के साथ खुश रहना सीख जाते हैं, तो आप दूसरों को खुश करने या उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के दबाव से आजाद हो जाते हैं। तब आप दूसरों को खुश करने के लिए अपनी जिंदगी नहीं जीते।

अभिनेत्री ने बताया कि इस दौरान आपको लोग पसंद तो आते हैं, लेकिन आप उन्हें बांधकर रखने की जिद नहीं करते और जरूरत पड़ने पर उन्हें छोड़ना भी सीख जाते हैं। फिर भी आपके दिल में उनके लिए प्यार कम नहीं होता। उन्होंने लिखा, ज्यादातर लोग इस तरह नहीं सोचते, इसलिए उन्हें समझ नहीं आता कि आपके साथ कैसे पेश आएं। रिद्धि ने पोस्ट के अंत में लिखा, ऐसा नहीं है कि जिंदगी ने आपको अकेलापन नहीं दिया, बल्कि आपने उस अकेलेपन को अपना दोस्त बना लिया। उसके साथ वक्त बिताया और उसे अपनी छोटी-सी खूबसूरत कहानी बना लिया।रिद्धि डोगरा की इस पोस्ट को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। लोग कमेंट्स में तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। रिद्धि डोगरा कई लोकप्रिय रियलिटी शो में भी हिस्सा ले चुकी हैं। वह अपने तत्कालीन पति राकेश बापट के साथ डांस रियलिटी शो नच बलिए 6 (2013-14) और स्टंट आधारित शो फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6 (2015) में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में वह द 50 में भी दिखाई दी थीं। यह शो कलर्स टीवी और जियोसिनेमा पर प्रसारित हुआ था।

जश्न

एक्टर मोहनलाल एवं एक्टर मीना के साथ कोच्चि में दृश्यम-3 के सेट पर अपने जन्मदिन के जश्न के दौरान।

थूथुकुडी जिले के तिरुचेंदूर में भगवान मुरुगन मंदिर में गुरुवार को पूजा लिए इकट्ठा हुए लोग।

सोशल मीडिया पर छाया ‘मेलोडी’ का खुमार, कृति खरबंदा ने टॉफी वाली पोस्ट से लूट ली महफिल!

मुंबई/एजेन्सी

सोशल मीडिया पर इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के नाम को मिलाकर 'मेलोडी' ट्रेंड छाया हुआ है। इस मजेदार मीम फेस्ट में अब अभिनेत्री कृति खरबंदा भी शामिल हो गई हैं। बुधवार को कृति ने इंस्टाग्राम पर भूरे (ब्राउन) रंग की खूबसूरत ड्रेस में अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसका रंग बिल्कुल 'मेलोडी' टॉफी से मिल रहा है। अभिनेत्री ने मजा लेते हुए कैप्शन भी कुछ ऐसा डाला कि सभी का ध्यान उनके कैप्शन की ओर खींचा चला गया। कृति लिखती हैं, ये मेलोडी इतनी चॉकलेटी क्यों है? कृति की पोस्ट सभी को बहुत पसंद आ रही हैं। उनके फैंस कमेंट सेक्शन पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें कि 'मेलोडी' शब्द को सोशल मीडिया यूजर्स अक्सर इस्तेमाल करके वैश्विक मंचों पर इन दोनों नेताओं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, के बीच हुई हल्की-फुल्की बातचीत को हाईलाइट करते हैं।

इस वायरल ट्रेंड को तब रफ्तार मिली, जब इटली के दौरे पर पीएम मोदी ने जॉर्जिया मेलोनी को भारत की मशहूर 'मेलोडी' चॉकलेट/टॉफी गिफ्ट की थी। मेलोनी ने इस क्यूट जेस्चर के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देते हुए अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो भी शेयर किया था, जो इंटरनेट पर आते ही छा गया। इस मजेदार ट्रेंड के साथ-साथ यह ऑनलाइन ट्रेंड दोनों देशों के बीच मजबूत हो रही कूटनीतिक और व्यापारिक साझेदारी को भी प्रदर्शित करता है। अभिनेत्री कृति खरबंदा पिछली बार फिल्म राणा नाइडू-2 में नजर आई थी। यह एक एक्शन-क्राइम ड्रामा फिल्म है।

अभिनेत्री हाल ही में फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आई थीं। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, सौंदर्या शर्मा और आकाशदीप साबिर जैसे स्टार्स शामिल हैं।

‘गुल्लक’ का पांचवा सीजन पांच जून को सोनी लिव पर प्रसारित होगा

मुंबई/भाषा। लोकप्रिय सीरीज ‘गुल्लक’ का पांचवा सीजन पांच जून को सोनी लिव पर प्रसारित होगा। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने बुधवार को यह घोषणा की।

यह सीरीज श्रेयांश पांडे द्वारा निर्मित और ‘द वायरल फीवर’ (टीवीएफ) द्वारा निर्मित एक पारिवारिक ड्रामा है जो रोजमर्रा की जिंदगी पर आधारित है। यह शृंखला मिश्रा परिवार पिता संतोष, माता शांति और उनके दो बेटों अन्नू एवं अमन के जीवन के छोटे-छोटे एवं सहज पलों को दर्शाती है, जो भारत में मध्यमववर्गीय परिवारों के जीवन का हिस्सा हैं। परिवार की पुरानी ‘गुल्लक’ द्वारा सुनाई गई इस कहानी को, 2019 में इसकी शुरुआत के बाद से ही इसकी गर्मजोशी, हास्य और भावनात्मक प्रामाणिकता के कारण दर्शकों के बीच एक वफादार दर्शक वर्ग मिल गया। टीवीएफ के अध्यक्ष विजय कोशी ने कहा कि ‘गुल्लक’ हर सीजन के साथ दर्शकों के और करीब आती जा रही है।

मां बगलामुखी के दरबार में पहुंची अभिनेत्री सेलिना जेटली

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सेलिना जेटली इन दिनों अपनी निजी जिंदगी में काफी कठिन दौर से गुजर रही हैं। इस मुश्किल घड़ी से उबरने के लिए अभिनेत्री मां बगलामुखी देवी के दर्शन करने पहुंचीं, जहां उन्होंने अपनी जिंदगी में चल रहे संघर्ष के खत्म होने की कामना की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा का वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में सेलिना माता रानी के गर्भगृह के सामने हाथ जोड़कर खड़ी नजर आ रही हैं। माता रानी के सामने वह काफी भावुक दिखीं और उनकी आंखें नम थीं। मंदिर की परंपरा के अनुसार, उन्होंने सिर पर पीले रंग की चुनरी ओढ़ रखी थी। वहीं, उनके आसपास मौजूद पुजारी पूरी निष्ठा के साथ मंत्रोच्चारण कर रहे थे। वीडियो पोस्ट कर सेलिना ने अपने दिल का हाल बयां करते हुए लिखा, मां बगलामुखी के गर्भगृह में बैठकर मैंने दिव्य मां के चरणों में प्रार्थना की। मैंने अपने भाई से दोबारा मिलने, बच्चों के साथ फिर से जुड़ने और उस रिश्ते को वापस पाने की गुहार लगाई, जिसे भाग्य को कभी अलग नहीं करना चाहिए।

उन्होंने आगे लिखा, मैं यह पवित्र पूजा उन सभी लोगों के साथ साझा करती हूं, जो मां बगलामुखी का आशीर्वाद, सुरक्षा, न्याय और अपने प्रियजनों को फिर से पाने की शक्ति चाहते हैं।सेलिना का यह पोस्ट उनके शुभचिंतकों को काफी पसंद आ रहा है। लोग कमेंट सेक्शन में उनके लिए प्रार्थना कर रहे हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि उनकी जिंदगी की सभी परेशानियां जल्द ही दूर हो जाएंगी। हालांकि, अभिनेत्री ने यह जानकारी नहीं दी कि वह मां बगलामुखी के किस मंदिर में गई थीं।मां बगलामुखी के तीन प्रमुख और सिद्ध मंदिर माने जाते हैं, जहां दूर-दूर से भक्त पूजा और अनुष्ठान के लिए पहुंचते हैं। इनमें मां बगलामुखी मंदिर नलखेड़ा, श्री बगलामुखी मंदिर बनखंडी और पीताम्बरा पीठ शामिल हैं। मां बगलामुखी दस महाविद्याओं में से आठवीं महाविद्या मानी जाती हैं। उन्हें 'स्तंभन शक्ति और शत्रुओं का नाश करने वाली देवी' के रूप में पूजा जाता है। उनके प्रमुख मंदिर मुख्य रूप से तंत्र साधना, मनोकामना पूर्ति और कोर्ट-कचहरी व राजनीतिक विजय से जुड़ी मान्यताओं के लिए प्रसिद्ध हैं।

चेन्नई स्टारकिंग्स टीम बनी बॉक्स क्रिकेट विजेता एवं सेवग टाइटंस बनी उपविजेता

शाकद्वीपीय यूथ स्पोर्ट्स क्लब ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय शाकद्वीपीय यूथ स्पोर्ट्स क्लब चेन्नई के तत्वावधान में शहर के ओटेरी स्थित एसपीआर सिटी खेल मैदान में बारह वर्ष से ऊपर की आयु के युवाओं की बॉक्स क्रिकेट सीजन-3 प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। क्लब के अध्यक्ष विनोद भरतानी ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल दस टीमों के नब्बे खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ भगवान सूर्यनारायण के चित्र सम्मुख दीप्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर भास्कर भगवान के जयकारे के साथ हुआ।

कार्यक्रम में सभी खेल प्रायोजकों का सम्मान किया गया। खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने हेतु बेंगलूरु के शाकद्वीपीय क्रिकेट समिति के सदस्यों ने शिरकत की। प्रतियोगिता में चार टीमों ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अंतिम मुकाबला चेन्नई स्टार किंग्स टीम व सेवग टाइटंस टीम के बीच बड़े ही रोमांचक मुकाबले के साथ खेला गया जिसमें चेन्नई स्टार किंग्स टीम चार विकेट से विजेता बनी एवं सेवग टाइटंस उप विजेता बनी। मैन ऑफ़ दि मैच निखिल शर्मा रहे। इस अवसर पर चैनमल भरतानी, विनोद भरतानी, ललित आशिवाल, रमेश शर्मा, धीरज शर्मा, अनिल शर्मा एवं बेंगलूरु क्रिकेट समिति के संदीप शर्मा, कैलाश शर्मा, रविकांत शर्मा, अक्षय शर्मा, योगेश शर्मा एवं प्रवीण शर्मा सहित शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

रेपको होम फाइनेंस द्वारा होम लोन मेले का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रेपको होम फाइनेंस लिमिटेड द्वारा तीन दिवसीय होम लोन मेले का आयोजन किया जा रहा है । यह मेला 21 से 23 मई तक बैंक के विभिन्न शाखाओं में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। इस मेले का उद्देश्य इच्छुक घर खरीदारों को सरल प्रक्रिया, प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों, त्वरित स्वीकृति और विशेष पेशकशों के साथ आकर्षक होम लोन सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

मणिलाल मेहता गर्ल्स स्कूल के कक्षा दसवीं का रिजल्ट रहा शत प्रतिशत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के साहुकारपेट मणिलाल एम. मेहता गर्ल्स स्कूल की छात्राओं ने तमिलनाडु स्टेट बोर्ड द्वारा जारी दसवीं के परीक्षा परिणामों में शत प्रतिशत सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय की प्रधानाचार्य शशिकला एस से प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय में अध्यनरत 64 छात्राएं उत्तीर्ण हुई है जिनमें 14 छात्राएं डिस्टिंक्शन अंक के साथ तथा 20 छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण किया है । छात्राओं की इन उपलब्धियों पर विद्यालय के अध्यक्ष अश्विन कामदार एवं प्रबंधन समिति के सदस्यों ने विद्यालय की शिक्षिकाओं और छात्राओं को उनकी इस सफलता के लिए बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है ।

दादी परिवार तिरुपुर के सान्निध्य मे राणीसती दादी का मंगल पाठ सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। शहर के दादी परिवार द्वारा हर महीने की भांति इस माह भी दादी परिवार की ओर से राणी सती दादी का मंगल पाठ गणेश मन्दिर रायपुरम में किया गया। दादी परिवार की अध्यक्ष शीला शाह, सुमन गुप्ता, प्रभा तोदी, वीरा कामदार, मधु चौधरी, मंजु पारस, चंदा डीडवानिया, मीनाक्षी सरावगी, अन्नपूर्णा झुंझुनूं वाली, सरिता तुल्सयान आदि उपस्थित थीं। इस मौके पर महिलाओं ने दादी के भजन गाए तथा आपस में बधाई बांटी। प्रसाद वितरण में गोपाल शाह, भागीरथ गुलेरिया की टीम ने सेवा दी। शीला शाह ने धन्यवाद दिया।

देश के पहले 'एलवीएडी हार्ट पंप प्रत्यारोपण' में डाक्टरों ने पाई सफलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एमजीएम हेल्थकेयर के डाक्टरों ने देश में हृदय संबंधी देखभाल के क्षेत्र में अपनी तरह का पहला मील का पत्थर स्थापित करते हुए 80 वर्षीय सेवानिवृत्त चेन्नई निवासी में लेफ्ट वेंट्रिकुलर असिस्ट डिवाइस (एलवीएडी), एक यांत्रिक हृदय पंप है को प्रत्यारोपित करने के सफलता प्राप्त की है। बुजुर्ग गंभीर हृदय रोग निम्न रक्तचाप, बिगड़ती गुर्दे की कार्यक्षमता और फेफड़ों में जकड़न सहित अनेक रोगो से गंभीर रूप से पीड़ित थे। रोगी का हृदय काफी कमजोर होने से वह शरीर के बाकी हिस्सों तक पर्याप्त रक्त आपूर्ति करने में अक्षम था जिसके परिणामस्वरूप उन्हें अक्सर साँस लेने में तकलीफ होती थी और बार-बार आईसीयू में भर्ती होना पड़ता था। अपनी इन्हीं समस्याओं से निजात पाने के लिए उन्होंने उन्नत और निश्चित उपचार का विकल्प चुना

उनकी बढ़ती उम्र, नाज़ुक स्वास्थ्य स्थिति और गुर्दे की बिगड़ती कार्यक्षमता को देखते हुए अस्पताल के डाक्टरों ने उनके हृदय प्रत्यारोपण की बजाय एलवीएडी प्रत्यारोपण का विकल्प चुना। यह उपकरण बाएं निलय के अंदर स्थापित होता है और पंपिंग का अधिकांश कार्य संभाल लेता है।

यह प्रत्यारोपण एमजीएम हेल्थकेयर के डाक्टरों की टीम के प्रमुख, कार्डियक साइंसेज के अध्यक्ष, निदेशक इंस्टीट्यूट ऑफ हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांट एंड मैकेनिकल सर्कुलेटरी सपोर्ट डॉ. केआर बालकृष्णन और डॉ. सुरेश राव केजी द्वारा किया गया। यह प्रक्रिया सफल रही, जिसके बाद मरीज को अस्पताल में तीन सप्ताह तक आराम करने के बाद छुट्टी दे दी गई। एमजीएम हेल्थकेयर के सीओओ और एमजीएम ग्रुप के उपाध्यक्ष - वित्त , नीलेश मुंडाडा ने कहा कि एमजीएम हेल्थकेयर की प्रतिबद्धता उन्नत हृदय चिकित्सा देखभाल की सीमाओं को पार करने और मरीजों के लिए जीवन रक्षक नवाचार लाने की है।

महावीर इंटरनेशनल एपेक्स की ई-चौपाल में रीजन-10 के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल रीजन-10 के पदाधिकारियों की ऑनलाइन बैठक 'ई-चौपाल' में रीज़न 10 के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञानचंद कोठारी के सान्निध्य में संपन्न हुई। महावीर प्रवाह की प्रधान सम्पादक शिल्पा बंब द्वारा 'भावना दिन-रात मेरी' प्रार्थना के पश्चात मीटींग शुरू हुई। नॉलेज शेयरिंग व ई-चौपाल के इंटरनेशनल डायरेक्टर अजीत कोठिया ने ज्ञानचंद कोठारी का परिचय दिया। ज्ञानचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। तत्पश्चात आंध्रप्रदेश और उड़ीसा के ज़ोन चेयरमैन सुबोध राखेचा, तमिलनाडु और केरल के ज़ोन चेयरमैन निरंजन सोलंकी, तेलंगाना और कर्नाटक के ज़ोन चेयरमैन विनय जांगड़ा ने अपने जोन में आयोजित कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी।

आयोजन मे महावीर इंटरनेशनल की वेबसाइट, राष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स सेनेटरी नेपकिन, बेबी कीट ओर जीवन रक्षक टैबलेट कीट वितरण, कपड़े की थैली मेरी सहेली, मिशन ऑक्सीजन प्रोजेक्ट ओर रुफ वाटर हार्वेस्टिंग के बारे में जानकारी दी। बैठक में बेंगलूरु से विजयराज सिसोदिया, चेन्नई से सुमित जैन, नीलम सारड़ा, हैदराबाद से राखी बाफना एवं अनेक पदाधिकारियों ने सुझाव दिया। अंत में रतन फलोदिया ने सभी को धन्यवाद दिया।

बेंगलूरु के लोगों को 'जेआरएफ' ने उपलब्ध कराए हेल्थ डिस्काउंट कार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन रिलीफ फाउंडेशन (जेआरएफ) ने पैलेस ग्राउंड पर आयोजित कार्यक्रम में हेल्थ डिस्काउंट कार्ड शिविर का आयोजन किया। जेआरएफ बेंगलूरु चैप्टर के संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि सेवा, सहयोग और करुणा की भावना को साकार करते हुए जैन रिलीफ फाउंडेशन कर्नाटक चैप्टर द्वारा अनेक परिवारों को निःशुल्क हेल्थ कार्ड वितरित किए गए। हैदराबाद से आए फाउंडर ट्रस्टी पवन कटारिया ने बताया कि हेल्थ कार्ड बेंगलूरु, हैदराबाद सहित देश के 28 राज्यों के 238 शहरों में मान्य है तथा लगभग 10,600 से अधिक चिकित्सा केन्द्रों पर इसका लाभ प्राप्त किया जा सकता है। इस कार्ड के माध्यम से अस्पताल में भर्ती होने, रोगी विभाग में परामर्श, विभिन्न प्रकार की जांच तथा दवाइयों की खरीद पर विशेष रियायत मिलती है। इसके अंतर्गत चयनित अस्पताल, क्लिनिक, जांच प्रयोगशालाएं एवं मेडिकल स्टोर्स से जुड़े सेवा केन्द्र शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अब तक देशभर में 4 लाख से अधिक लोग इस योजना से जुड़ चुके हैं।

बेंगलूरु में इस हेल्थ डिस्काउंट कार्ड को बनवाने में ब्यावर संघ भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में बीजल कोठारी, रेणु रांका सहित अन्य सदस्यों ने उपस्थित समाजजनों को इस योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान की और अधिकाधिक लोगों से इससे जुड़ने का आह्वान किया।

बेंगलूरु के वीबीबी क्रिकेटर्स एसोसिएशन द्वारा महालक्ष्मी लेआउट स्थित रानी अब्बाका खेल मैदान में आयोजित 3 दिवसीय क्रिकेट स्पर्धा 'एलपीएल सीजन-5' के आखिरी दिन खेल मैदान में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

उत्साहवर्धन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मन को नियंत्रण करने वाला एवं पापों को धोने वाला है नवकार महामंत्र : आचार्यश्री पार्श्वचंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेशबाग में पंद्रह दिवसीय आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान साधना में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी ने कहा कि दुःख का कारण है 18 पाप। नवकार महामंत्र के पांच पद सारे पाप कर्मों का निवारण करने वाले हैं। पाप का आवरण आत्मा पर चढ़ा हुआ है। पाप के परिणाम से अनभिज्ञ होने के कारण जीव को पाप से लगाव हो जाता है। मैल मैल को पकड़ता है, दुर्गुण दुर्गुण को खींचता है। इसी प्रकार से जो पापों में रत रहता है वह और अधिक से अधिक पाप में पड़ता चला जाता है। यदि दुःख से बचना है तो पाप कार्य से दूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नवकार में गुणों को नमन है, गुणियों को नमन है। गुणों की ओर दृष्टि होने से गुणों के प्रति अनुराग होता है और उन गुणों को पाने की प्रक्रिया प्रारम्भ होती है। उन्होंने कहा कि नवकार मन का नियंत्रण करने वाला एवं पापों को धोने वाला है। नवकार जाप से पाप का निवारण होता है। जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म भी उसकी सुरक्षा करता है। डॉ. पदमचंद्रमुनिजी ने उपधान आराधकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सम्यक्तवी सुख हो या दुःख हर परिस्थिति में समभाव में रहता है। सुख और दुःख, ज्ञानी और अज्ञानी दोनों के पास आते हैं। ज्ञानी निमित्त को दोष नहीं देकर अपने कर्मों को दोष देता है। अज्ञानी अपना स्वयं का दोष नहीं देखता है और दूसरों को दोषी मानता है। इस कारण अज्ञानी प्रतिशोध में भरा रहता है जिससे वह और दुखी होता जाता है जबकि ज्ञानी विपरीत परिस्थिति को अपने स्वयं के कर्मों का फल मानकर समभाव से सहन करता है जिससे उसके चित्त में शांति का वातावरण होता है और वह दुःख में भी सुख की अनुभूति कर लेता है।

उन्होंने उपधान का महत्व बताते हुए कहा कि पहला उपधान सम्यक्तव की साधना है। धर्म को धर्म समझोगे, पाप को पाप समझोगे और पुण्य को पुण्य समझोगे तो अंध विश्वास से ऊपर उठ जाओगे। उन्होंने कहा कि चारित्र की शुद्धि से भी आवश्यक है श्रद्धा की शुद्धि। चरित्र दूषित हो तो एक भव बिगड़ सकता है, परन्तु सम्यक्तव अर्थात श्रद्धा दूषित हो गई तो भव बिगड़ जाता है। जयधुरंधरमुनिजी ने निर्जरा भावना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि धर्म आराधना से कर्मों की निर्जरा होती है। सकाम निर्जरा से ही आत्मा सम्पूर्ण कर्मों से मुक्त होकर अनंत सुख को प्राप्त करती है। जयकलशमुनिजी एवं जयसुबोधमुनिजी ने प्रेरक गीतिका प्रस्तुत की।जयपुरंदरमुनिजी ने 14 नियमों पर विवेचन करते हुए जीवन में मर्यादा का महत्व बताया और आत्मोन्नति के लिए प्रतिदिन अपनी आवश्यकताओं की सीमा तयकर अनावश्यक अभिलाषाओं को त्यागने की प्रेरणा दी। प्रातः समणी निदेशिका सुयशनिधिजी ने अणुप्पेहा ध्यान साधना का प्रशिक्षण दिया।

प्रचार प्रसार प्रभारी जेके महावीरचंद चोरड़िया ने गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान के 150 आराधक एवं उत्तर साधकों की आराधना के अनुमोदनार्थ हलसूरु संघ के किशनलाल कोठारी, कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के सहमंत्री मीठालाल पटवा, संयोजक शांतिलाल बोहरा एवं वरिष्ठ स्वाध्यायी नवरतनमल भंसाली, सुरेशचंद गुलेच्छा, राजेंद्र चोरडिया, गणेशबाग संघ के पारसमणि रूणवाल, जयनगर संघ के अध्यक्ष दीपचंद भंसाली, मंत्री पदमचंद बोहरा सहित अन्य ने उपस्थित होकर अनुमोदना की। अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रेवन्तमल नाहर, बेंगलूरु शाखा के उपाध्यक्ष किरणचंद बोहरा, मंत्री मनोहरलाल डूंगरवाल, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

यदि हम किसी को साधना के लिए प्रोत्साहित नहीं कर सकते हैं तो हतोत्साहित भी न करें : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शिवाजीनगर में आयोजित एक प्रवचन सभा में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि जो कोई व्यक्ति उम्र के आधार पर किसी को भी साधना के लिए योग्य अथवा अयोग्य घोषित करता है, नादान अथवा बुद्धिमान मानता है, यह उसकी स्वयं की नादान और अज्ञान दशा है। उन्होंने कहा कि जन्म जन्मांतर के प्रबल पुण्य उदय से साधना की ओर आत्मा अग्रसर होती है। जगद्गुरु शंकराचार्य 9 वर्ष की उम्र में, गुरु गोविंद सिंह के बच्चे छोटी उम्र में , बौद्ध धर्म में दलाई लामा छोटी उम्र में, जैन धर्म के अंदर एवंतामुनि, सभी धर्म में जितने भी युग पुरुष प्रखर हुए हैं अलौकिक चमत्कार प्रकट करते हुए विश्व में अमर हो गए। सभी अपनी साधना से ही बालक से महान बने हैं। मुनि कमलेशजी ने बताया कि युवावस्था और वृद्धावस्था में साधना के क्षेत्र में आने वाली भी साधना के मार्ग से भटक सकते हैं और बालक उनके सामने आदर्श प्रस्तुत कर सकता है। राष्ट्रसंत ने कहा कि हम पूर्ण ज्ञानी नहीं हैं जो किसी को लेकर उसके भविष्य के बारे में घोषणा कर सकते हैं। तीर्थंकर केवल ज्ञानी ने भी किसी आत्मा को मना नहीं किया। जैन संत ने कहा कि ज्ञान और वैराग्य में परिपक्व होने पर बालक भी भगवान के रूप में परिवर्तित हो सकता है। हम गीली मिट्टी को जैसे ढालना चाहें ढाल सकते हैं।

राजीव गांधी ने भारत को सपने देखना सिखाया: मुख्यमंत्री सतीशन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सतीशन ने उन्हें आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए कहा कि उन्होंने देश को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया। फेसबुक पर एक पोस्ट में सतीशन ने कहा कि राजीव गांधी को याद करते समय मन भावुक हो जाता है। सतीशन ने प्रधानमंत्री के रूप में अपने संक्षिप्त कार्यकाल के दौरान भारत को आधुनिकता और वैज्ञानिक प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाने में राजीव गांधी के योगदान की सराहना की।मुख्यमंत्री ने कहा, गांधी ने अपना पूरा जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया और भारत को सपने देखना सिखाया।सतीशन ने यह भी कहा कि राजीव गांधी, इंदिरा गांधी और उनकी अगली पीढ़ियों ने नफरत की राजनीति का विरोध किया। उन्होंने कहा कि गांधी के कई फैसले प्रेम, मानवता और धर्मनिरपेक्षता की छाप थी। मुख्यमंत्री सतीशन ने नई दिल्ली में राजीव गांधी के स्मारक का जिक्र करते हुए कहा, वीर भूमि केवल कांग्रेस के लिए ही नहीं बल्कि राष्ट्र के लिए भी ऊर्जा का स्रोत है। इससे पहले, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) कार्यालय में भी राजीव गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री सतीशन, केपीसीसी अध्यक्ष और विद्युत मंत्री सनी जोसेफ और गृह मंत्री रमेश चेन्निथला उपस्थित रहे।पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक चुनावी रैली के दौरान 'लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम' (एलटीटीई) की एक महिला आत्मघाती हमलावर द्वारा हत्या कर दी गई थी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.